वर्ष 14, अंक 132
गैरसैंण
सोमवार
11 सितम्बर 2023
पृष्ठ 8

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2020-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8445596074, 7060517714, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

पत्नी संग अक्षरधाम मंदिर में नतमस्तक हुए ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक, विजिटर डायरी में लिखा खास संदेश

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने आए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने रविवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच यहां प्रसिद्ध अक्षरधाम मंदिर आकर दर्शन किए। ब्रिटिश प्रधानमंत्री के साथ उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति भी साथ आईं थीं। मंदिर पहुंचने पर वहां के पुजारियों ने उनका स्वागत किया। मंदिर में सुनक दंपति ने भगवान स्वामीनारायण की 'पूजा' भी की।मंदिर में दर्शन के बाद उन्होंने विजिटर डायरी में लिखा कि वसुधैव कुटुंबकम की भावना में हम मंदिर समिति और उपस्थित लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं। शिखर सम्मेलन पूरी दुनिया को शांति, धार्मिक समृद्धि और वैश्विक सद्भाव की दिशा में सामूहिक रूप से मदद करने में एक शानदार सफलता है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों के साथ राजघाट गये थे और वहां अहिंसा के सबसे बड़े शांतिदूत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इसके बाद सुनक अपनी पत्नी के साथ अक्षरधाम मंदिर पहुंचे।

विश्व नेताओं ने बूंदाबांदी के बीच राजघाट पर महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। जी20 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन रविवार को विश्व नेताओं ने बूंदाबांदी के बीच राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजघाट पर विश्व नेताओं का स्वागत खादी का उपहार देकर किया।ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल, जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट पहुंचे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कनाडाई समकक्ष जस्टिन ट्रूडो, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज, स्पेन के उपराष्ट्रपति नादिया कैल्विनो सांतामारिया, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी, सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग, नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रूट, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जुगनौथ, ओमान के उप प्रधानमंत्री असद बिन तारिक बिन तैमूर अल सैद, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा, महानिदेशक विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) टेड्रोस एडनोम का स्वागत किया।

तीर्थनगरी में झमाझम बारिश से मिली उमस से राहत

ऋषिकेश। झमाझम बारिश से तीर्थनगरी में लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। मौसम सुहाना होने से लोगों ने राहत की सांस ली। दोपहर तक हुई बारिश ने शहर की ड्रेनेज सिस्टम की भी पोल खोल दी। लोगों को जलभराव से जूझना पड़ा। गर्मी से परेशान ऋषिकेश क्षेत्र के लोगों को बारिश से राहत मिली। तड़के 4 बजे से ही ऋषिकेश में झमाझम बारिश होने लगी।

इस दौरान ऋषिकेश के सटे पिकनिक स्पॉट पर देहरादून, रानीपोखरी, हरिद्वार, हरिपुरकला, भानियावाला, डोईवाला से आए लोगों की भीड़ रही।

पीएम मोदी ने ब्राजील को जी20 की अध्यक्षता सौंपी

संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक निकायों में सुधार की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा को जी20 समूह की अध्यक्षता सौंप दी। इस दौरान उन्होंने सिल्वा को पारंपरिक गैवल (एक प्रकार का हथौड़ा) सौंपा। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने नई वैश्विक संरचना में दुनिया की नई हकीकत को प्रतिबिंबित करने का आह्वान किया और संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक निकायों में सुधार की मांग की।

उन्होंने कहा कि दुनिया बदल रही है। ऐसे में दुनिया के बड़े और जिम्मेदार संस्थानों को भी बदलने की जरूरत है। यूएनएससी में अभी भी उतने ही सदस्य हैं, जितने इसकी स्थापना के समय में थे। इसका विस्तार होना चाहिए, यानी स्थायी देशों की संख्या बढ़नी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र सहित अन्य वैश्विक निकायों में सुधारों पर नए सिरे से जोर देते हुए कहा कि विश्व निकाय के सदस्य देशों में वृद्धि के बावजूद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी सदस्यों की संख्या नहीं बढ़ी है। जब संयुक्त राष्ट्र की स्थापना 51 सदस्यों के साथ हुई थी, तो दुनिया अलग थी। अब सदस्य देशों की संख्या लगभग 200 हो गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह प्रकृति का नियम है कि जो समय के साथ नहीं बदलते, वे अपनी प्रासंगिकता खो देते हैं। उन्होंने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी सामाजिक व्यवस्था और मौद्रिक व वित्तीय स्थिरता के लिए एक नया विषय है। इसे विनियमित करने के लिए वैश्विक मानक निर्धारित किए जाने चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि नवंबर 2023 तक जी20 की अध्यक्षता की जिम्मेदारी भारत के पास है। इन दो दिनों में आप सभी ने बहुत सारे सुझाव दिए, प्रस्ताव रखे। हमारा कर्तव्य है कि सुझावों की एक बार फिर से समीक्षा की जाए, ताकि यह देखा जा सके कि उनकी प्रगति को कैसे तेज किया जा सकता है।

मेरा प्रस्ताव है कि नवंबर के अंत में हम जी 20 का एक वर्चुअल सत्र आयोजित करें। हम इस शिखर सम्मेलन में तय किए गए विषयों की समीक्षा उस वर्चुअल सत्र में कर सकते हैं। मुझे आशा है कि आप सभी वर्चुअल सत्र में जुड़ेंगे। इसके साथ मैं जी20 सत्र के समापन की घोषणा करता हूं।

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा ने कहा कि भू-राजनीतिक मुद्दों को जी20 में चर्चा पर हावी नहीं होने देना चाहिए। समूह को विभाजित जी20 में कोई दिलचस्पी नहीं है। आज की चुनौतियों का सामना संयुक्त कार्रवाई के जरिए ही किया जा सकता है। जी20 की अध्यक्षता मिलने के बाद उन्होंने कहा कि हमें संघर्ष के बजाय शांति और सहयोग की जरूरत है। अगला जी20 शिखर सम्मेलन नवंबर 2024 में रियो डी जनेरियो में होगा।

लूला डी सिल्वा ने कहा कि जो रास्ता हमें नई दिल्ली से रियो डी जनेरियो तक ले जाएगा, उसके लिए सभी से बहुत समर्पण और प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। ब्राजील के राष्ट्रपति ने कहा कि गरीब देशों की कर्ज की समस्या पर ध्यान देना होगा।

दुनिया को भुखमरी खत्म करने की कोशिश बढ़ानी होगी। उन्होंने पीएम मोदी को बधाई दी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के हित के विषयों को आवाज देने के प्रयासों के लिए भारत को धन्यवाद दिया।

ब्राजील आधिकारिक रूप से इस साल एक दिसंबर में जी20 समूह के अध्यक्ष का कार्यभार संभालेगा। उन्होंने बताया कि ब्राजील की अध्यक्षता में दक्षिण अमेरिकी देश के पांच क्षेत्रों में से प्रत्येक के शहरों में जी20 बैठकें आयोजित की जाएंगी।

लूला दा सिल्वा ने सामाजिक समावेशन, भूख के खिलाफ लड़ाई, ऊर्जा परिवर्तन और सतत विकास को जी20 की प्राथमिकताओं के रूप में सूचीबद्ध किया।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को अपनी राजनीतिक ताकत बरकरार रखने के लिए स्थायी और गैर-स्थायी सदस्यों के रूप में नए विकासशील देशों की जरूरत है। हम विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में विकासशील देशों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व चाहते हैं।

राष्ट्रपति सिल्वा नेजी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए रविवार को भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुक्रिया अदा किया।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने कहा कि इनमें सामाजिक समावेश और भूख के खिलाफ लड़ाई, ऊर्जा संक्रमण और सतत विकास और वैश्विक शासन संस्थानों में सुधार शामिल हैं। जी 20 शिखर सम्मेलन के समापन सत्र मेंसिल्वा ने कहा, ये सभी प्राथमिकताएं ब्राजील के राष्ट्रपति के आदर्श वाक्य का हिस्सा हैं जो कहती हैं 'एक निष्पक्ष दुनिया और एक स्थायी ग्रह का निर्माण'। दो टास्क फोर्स बनाए जाएंगे - ग्लोबल अलायंस अगेंस्ट हंगर एंड पॉवर्टी और ग्लोबल मोबिलाइजेशन।

शाह, नड्डा ने जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता पर पीएम मोदी को बधाई दी

नई दिल्ली ,एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने रविवार को जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी।गृहमंत्री ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, हमारे जी20 अध्यक्ष पद की ऐतिहासिक सफलता पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को मेरी हार्दिक बधाई। चाहे वह नई दिल्ली के नेताओं की घोषणा को अपनाना हो या अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करना हो, शिखर सम्मेलन ने भू-राजनीतिक के बीच विश्वास का पुल बनाया है। यह क्षेत्र मोदी जी के एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के दृष्टिकोण पर खरा उतर रहा है।दुनिया को एक बेहतर स्थान बनाने के विलक्षण महत्वपूर्ण लक्ष्य को प्राप्त करने की राह पर सभी को एकजुट करते हुए शिखर सम्मेलन हमारे देश के प्रत्येक नागरिक के लिए एक अमिट जीत का निशान छोड़ता है। विश्व हमारे उदार सांस्कृतिक मूल्यों की महानता में विश्वास करता है।भाजपा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, पीएम मोदी जी के नेतृत्व में भारत ग्लोबल साउथ के लिए एक आवाज बनकर उभरा है और दिखाया है कि बड़े भू-राजनीतिक विभाजन के इस समय में भी ग्रह, राष्ट्र और इसके लोग बेहतर भविष्य के लिए सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने लिखा, शिखर सम्मेलन में नई दिल्ली के नेताओं की घोषणा को अपनाना विशेष रूप से पथप्रदर्शक रहा है, क्योंकि इसने प्रमुख विश्व शक्तियों को भू-राजनीति और जलवायु के प्रासंगिक मुद्दों पर आम सहमति पर ला दिया है।

13 सांसदों ने किए केदारनाथ के दर्शन

रुद्रप्रयाग। रविवार को केदारनाथ में विभिन्न प्रदेशों के सांसद दर्शनों को केदारनाथ पहुंचे। इस दौरान रेलवे के अधिकारी भी मौजूद थे। कुल 60 सदस्यीय टीम में 13 सांसद और अन्य रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

दर्शनों के बाद सांसद वापस लौट गए। देश के विभिन्न क्षेत्रों से 13 सांसद एवं रेलवे के अधिकारी कर्मचारी रविवार को केदारनाथ पहुंचे जहां उन्होंने बाबा केदार के दर्शन किए। हालांकि उन्हें सुबह केदारनाथ पहुंचना था किंतु खराब मौसम के कारण वह दोपहर में केदारनाथ पहुंचे। इस दौरान रेलवे के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा सांसदों की व्यवस्था की गई। बदरी-केदार मंदिर समिति द्वारा सभी सांसदों को बेहतर दर्शन कराए गए।

धाम में बढ़ने लगी रौनक, बारिश-बर्फबारी के बीच उमड़ी भक्तों की भीड़

रुद्रप्रयाग। दिनभर हल्की बारिश के बीच रविवार को बाबा केदार के दर्शनों के लिए धाम में भक्तों की भीड़ लगी रही। दोपहर को तो मंदिर परिसर से संगम तक श्रद्धालुओं की लंबी लाइन लगी रही। सभी भक्तों को गर्भगृह से दर्शन कराए गए। वहीं, केदारघाटी से केदारनाथ तक दिनभर में कई बार घना कोहरा छाने के कारण हेलिकॉप्टर सेवा भी बाधित होती रही।

रविवार को सुबह से ही केदारनाथ में मौसम का मिजाज बिगड़ा रहा। धाम में हल्की बारिश होती रही। इस दौरान चोराबाड़ी, वासुकीताल और दुग्ध गंगा की ऊपरी पहाड़ियों पर हिमपात भी हुआ। श्रीबदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के सीईओ योगेंद्र सिंह ने बताया कि ऊपरी क्षेत्रों में हिमपात से केदारपुरी में ठिठुरन ठंड बढ़ गई है।

भक्तों को ठंड से निजात दिलाने के लिए प्रशासन, पुलिस और नगर पंचायत के सहयोग से जगह-जगह पर अलाव की व्यवस्था की गई है। इधर, प्रशासन ने सोनप्रयाग से दोपहर 12 बजे तक 7,132 श्रद्धालुओं को केदारनाथ भेजा।

स्वास्थ्य विभाग ने सोनप्रयाग से धाम तक पैदल मार्ग पर 1,183 श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें दवा उपलब्ध कराई। साथ ही 79 यात्रियों को ऑक्सीजन सुविधा मुहैया कराई गई।

सीएमओ डॉ. हरीश चंद्र सिंह मार्तोलिया ने बताया कि कपाट खुलने के बाद से 1, 89,482 श्रद्धालुओं की जांच कर इलाज किया जा चुका है। कुल 6,841 यात्रियों को ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है।

वहीं, मौसम विभाग ने आज भी उत्तराखंड के चार जिलों देहरादून, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में भारी बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। अन्य जिलों में हल्की बौछारों के आसार हैं।

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए आंध्र के पूर्व सीएम नायडू

सीआईडी ने कहा- नहीं कर रहे सहयोग

नई दिल्ली , एजेंसी। 371 करोड़ के कौशल विकास घोटाले में गिरफ्तार किए गए आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को एसीबी कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने अपनी रिमांड रिपोर्ट में कोर्ट से कहा था कि तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें कुछ मसले याद नहीं हैं। सीआईडी ने नायडू को शनिवार सुबह 371 करोड़ रुपये के कौशल विकास घोटाले में गिरफ्तार किया था।

तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) नेता को रविवार सुबह को विजयवाड़ा में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) कोर्ट में कड़ी सुरक्षा के बीच पेश किया गया। अदालत को सौंपी गई रिमांड रिपोर्ट के अनुसार, मामले में नायडू को आरोपी 37 (ए37) के रूप में नामित किया गया है। न्यायिक हिरासत की मांग करते हुए रिमांड रिपोर्ट में कहा गया कि अधिकारियों ने उन्हें नंदयाल से विजयवाड़ा लाने के लिए हेलिकॉप्टर की व्यवस्था की थी लेकिन विपक्ष के नेता ने इन्कार कर दिया था।

सड़क मार्ग से लाते समय टीडीपी कार्यकर्ताओं ने पुलिस काफिले को कई बार रोका, जो उनके पद के आधार पर कानूनी एजेंसियों को डराने की कोशिश है। उनसे इस केस डायरी में साक्ष्य का हिस्सा नोट फाइलों के आधार पर सवाल किए गए लेकिन उन्होंने सभी सवालों पर असहयोग का रुख अपनाया और कहा कि उन्हें तथ्य याद नहीं है। सीआईडी रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सीआईडी कार्यालय पहुंचने के बाद मध्यस्थों की मौजूदगी में नायडू से अपराधों में उनकी भूमिका के बारे में पूछताछ की गई। कानूनी सलाहकार से परामर्श करने, अपने परिवार के सदस्यों से मिलने और भोजन तथा जलपान करने के उनके अनुरोध के अनुसार उन्हें ब्रेक दिया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि टीडीपी प्रमुख के भागने का खतरा नहीं है। सीआईडी का आरोप है कि करोड़ों रुपये के कौशल विकास घोटाले में मुख्य लाभार्थी नायडू और उनकी पार्टी टीडीपी है। इस घोटाले के मुख्य साजिशकर्ता भी पूर्व सीएम ही हैं।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि नायडू से 10 घंटे तक पूछताछ की गई। कोर्ट के सामने पेश किए जाने से पहले उन्हें रविवार तड़के करीब 3.40 बजे मेडिकल जांच के लिए विजयवाड़ा स्थित एक अस्पताल ले जाया गया।

टीडीपी नेता केसिनेनी नानी और अन्य ने फैसले से पहले एसीबी अदालत में आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम और टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात की। नायडू को सीआईडी ने कथित कौशल विकास सहयोग घोटाले के सिलसिले में नौ सितंबर को गिरफ्तार किया था। उधर, करोड़ों रुपये के कथित भ्रष्टाचार मामले में तेदेपा प्रमुख और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के विरोध में उनके समर्थन में कई आवाजें उठने लगी हैं।

उनकी गिरफ्तारी को अवैध करार दिया गया। वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी जोहो के मुख्य कार्यकारी श्रीधर वेंबू ने रविवार को नायडू की गिरफ्तारी पर हैरानी जताई। उन्होंने कहा, "मैं यह पढ़कर स्तब्ध रह गया कि चंद्रबाबू नायडू जी को कल गिरफ्तार कर लिया गया। मैं उन्हें जानता हूं और उन्होंने जोहो सहित कई कंपनियों को आंध्र प्रदेश में लाने के लिए बहुत मेहनत की है। मुझे उम्मीद है कि न्याय होगा।" वेंबू ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में ये बातें कही। इस बीच, पार्टी के एक अधिकारी ने बताया कि नायडू की गिरफ्तारी के विरोध में एक दिन का अनशन करने आए तेदेपा समर्थकों को आज प्रकाशम जिले के कनिगिरी में पुलिस ने रोक दिया। उन्होंने बताया कि तिरुपति जिले के श्रीकालहस्ती और पूर्वी गोदावरी जिले के कोवुरू में पुलिस ने इसी तरह के प्रदर्शन को नाकाम कर दिया। इससे पहले, तेलुगू देशम पार्टी ने लंदन में ब्रिटिश संसद के सामने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर गिरफ्तारी का विरोध करते हुए अपने विदेशी समर्थकों के कुछ वीडियो साझा किए। वर्तमान में, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी लंदन में 10 दिवसीय व्यक्तिगत यात्रा पर हैं और उनके सोमवार को राज्य लौटने की उम्मीद है। इस बीच, वाईएसआरसीपी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य वी विजयसाई रेड्डी ने सवाल किया कि नायडू को कई कथित घोटालों में उनकी भूमिका के लिए गिरफ्तार क्यों नहीं किया जाना चाहिए।

पेरिस में राहुल गांधी बोले, संविधान में लिखा है : इंडिया यानि भारत

पेरिस ,(एजेंसी)। अंग्रेजी में भी इंडिया की जगह भारत शब्द के इस्तेमाल को लेकर विपक्ष और सत्तारूढ़ भाजपा के बीच जारी विवादों के संदर्भ में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि संविधान में देश के नाम के बारे में लिखा है 'इंडिया, यानि भारत राज्यों का एक संघ होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी आवाज को दबाया या धमकाया नहीं जाए।

फ्रांस की राजधानी पेरिस में साइंसेज पो विश्वविद्यालय में छात्रों और संकाय के साथ बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, हमारे संविधान में, भारत को 'इंडिया, यानि भारत- राज्यों का एक संघ' के रूप में परिभाषित किया गया है। इसलिए, ये राज्य एक साथ आकर इंडिया या भारत बने हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन राज्यों में शामिल सभी लोगों की आवाज़ जोर से और स्पष्ट रूप से सुनी जाती है और किसी भी आवाज को कुचला या धमकाया नहीं जाता है।

सोच समझकर वोट देना, प्रदेश में भाजपा सरकार आई तो सारी राहत योजनाएं बंद कर देगी: प्रियंका

टोंक, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने राजस्थान के टोंक जिले के निवाई में झिलाय से अपनी पहली चुनावी जनसभा की शुरुआत करते हुए लोगों को खौफ दिखा दिया। प्रियंका ने कहा-अगर, प्रदेश में भाजपा की सरकार आई तो गहलोत सरकार ने जो भी जनहित की योजनाएं दी हैं, वह सब बंद कर देगी। इसलिए आप सोच समझकर ही वोट करें।

प्रियंका गांधी ने कहा कि राजस्थान में जिस तरह 5 साल कांग्रेस सरकार ने राज किया, वैसी ही सरकार आपको वापस लानी है। जो आमजनता को राहत दे। इससे पहले प्रियंका गांधी ने राजस्थानी में भाषण की शुरुआत करते हुए डिग्गी कल्याणजी और धन्ना भगत के

जयकारे लगवाए।

प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों को राहत पहुंचाने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जब विदेश दौरे पर जाते हैं तो उसके बाद उन देशों से उन चुनिंदा उद्योगपतियों से काम मिलते हैं। उन्होंने कहा- मोदीजी अपने आपको भूमि पुत्र कहते थे और आज वो करोड़ों के काफिले में चल रहे हैं।

राजस्थान के टोंक जिले के निवाई विधानसभा क्षेत्र में प्रियंका गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्र की मोदी सरकार और पीएम पर सियासी आरोप लगाए। प्रियंका ने कहा- लोग सत्ता में आते ही भूल जाते हैं कि उन्हें सत्ता में कौन लाया है? महंगाई से आम जनता को निजात दिलाने के लिए राजस्थान सरकार राहत कैंप लगा रही है। महिलाओं को मोबाइल भी मिल रहा है। सरकार जो दे रही है, वह उनका हक है।

प्रियंका गांधी ने कहा- आज महंगाई चरम पर है। गैस सिलेंडर 1000 रुपए का है, इसे गरीब आदमी कैसे खरीदेगा? केंद्र सरकार से पूछना चाहिए इतनी महंगाई क्यों है? राजस्थान सरकार जनता को जो दे रही है वह पब्लिक का हक है। आज मैं एक लड़की से मिली, जिसके हाथ में मोबाइल था। उसने कहा कि मुझे गहलोत सरकार ने ये मोबाइल दिया है। राजस्थान सरकार मोबाइल दे रही है और भी कई चीजें दे रही है, राजस्थान सरकार आपको जो दे रही है, वो आपका हक है।

सीएम अशोक गहलोत ने सभा को संबोधित करते हुए कहा- राजस्थान सरकार ने हर क्षेत्र में फैसले लेने में कमी नहीं छोड़ी।

काश्तकारों ने उठाई सिंचाई नहरों की मरम्मत की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः नहरे क्षतिग्रस्त होने के कारण काश्तकारों के समक्ष सिंचाई का संकट खड़ा हो गया है। काश्तकारों ने प्रदेश सरकार से जल्द नहरों की मरम्मत करवाने की मांग की है। कहा कि पानी नहीं मिलने के कारण खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद हो रही हैं। समस्या को लेकर सनेह निवासी काश्तकार सुधीर कुमार ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के अधिकांश परिवार खेती पर ही निर्भर हैं। लेकिन, अगस्त माह में आई आपदा से सिंचाई नहर जगह–जगह क्षतिग्रस्त हो गई है। साथ ही नहरों में मलबा भी भरा हुआ है। कई बार शिकायत के बाद भी विभाग इस ओर ध्यान देने को तैयार नहीं है। कहा कि यदि जल्द सिंचाई नहरों की मरम्मत नहीं करवाई गई तो काश्तकारों के समक्ष कई संकट खड़े हो जाएंगे। फसल बर्बाद होने से काश्तकारों को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कहा कि काश्तकारों के हित को देखते हुए जल्द नहरों की मरम्मत का कार्य किया जाना चाहिए।

खौफ में दिन काट रहे आमसौड़वासी, सरकार से पुनर्वास की उम्मीद

गांव के ऊपर झावाण की पहाड़ी से लगातार गिर रहे बोल्डर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार। दुगड्डा ब्लॉक के अंतर्गत आमसौड़वासी खौफ में दिन काटने को मजबूर हो गए हैं। हालत यह है कि गांव के ऊपर झावाणा की पहाड़ी से लगातार बोल्डर गिर रहे हैं। गांव में भू-धंसाव का भी खतरा बना हुआ है। ऐसे में अब ग्रामीणों को सरकार से उनके पुनर्वास की उम्मीद बनी हुई है। ग्रामीण लगातार उनके पुनर्वास की मांग भी उठा रहे हैं।

कोटद्वार से करीब 12 किलोमीटर दूर स्थित आमसौड़ गांव के अस्तीत्व पर खतरा मंडराने लगा है। वर्षा काल के दौरान गांव के ऊपर स्थित झावाणा की पहाड़ी से गांव में बड़े–बड़े बोल्डर गिरने लगे थे। आनन–फानन में पुलिस व प्रशासन ने खतरे की जद में आए भवनों को खाली करवाया। वर्तमान में वर्षा काल थमने के बाद यह परिवार दोबारा अपने घरों में शिफ्ट होने की तैयारी कर रही है। लेकिन, पहाड़ी से बोल्डर गिरने का दौर अब भी जारी है। यही नहीं भू–धंसाव के कारण भवनों के धराशायी होने का भी खतरा बना हुआ है। ग्रामीण दुर्गा सिंह बिष्ट, विक्रम सिंह, ज्ञान सिंह, संतन सिंह व गणेश जुयाल ने बताया कि आमसौड़ गांव में 25 भवन पूरी तरह खतरे की जद में आ गए हैं। दिन भर परिवार अपने घर में रहते हैं। लेकिन, रात के समय उन्हें अन्यत्र शिफ्ट होना पड़ता है। शासन–प्रशासन पीड़ितों की सुध लेने को तैयार नहीं है। बच्चों की शिक्षा व्यवस्था भी चौपट हो चुकी है। ग्रामीणों के पास प्रभावित क्षेत्र के अतिरिक्त कोई अन्य स्थान नहीं है। ऐसे में सरकार को उनके पुनर्वा पर ध्यान देना चाहिए।

दुगड्डा ब्लॉक का अमसौड़ गांव जहां लगातार पहाड़ी से बोल्डर गिर रहे हैं।

नागरिक मंच ने उठाई सीजीएचएस की डिस्पेंसरी खोलने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः नागरिक मंच ने देहरादून और हल्द्वानी की तर्ज पर कोटद्वार में सीजीएचएस की डिस्पेंसरी खोलने की मांग की है। इस संबध में मंच अध्यक्ष सीपी नैथानी और महासचिव अतुल भट्ट ने एसडीएम के माध्यम से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया है।

ज्ञापन में कहा गया है कि कोटद्वार की जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। कहा कि नगर में केंद्रीय सेवा व पैरा मिलिट्री फोर्सेज में सेवारत कर्मचारी व उनके परिजन बड़ी संख्या में निवास करते हैं। कहा कि जनसंख्या के सापेक्ष नगर में पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाएं नहीं है, जिससे क्षेत्रवासियों को देहरादून और दिल्ली जैसे बड़े शहरों में महंगे दामों पर उपचार कराने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। उत्तराखंड में देहरादून व हल्द्वानी में ही सीजीएचएस की सुविधा है। कोटद्वार में सीजीएचएस की सुविधा उपलब्ध होने पर इसका लाभ पूरे गढ़वाल क्षेत्र की जनता को मिल सकेगा।

पूर्व सैनिकों ने संगठन की मजबूती का लिया संकल्प

कार्यक्रम को संबोधित करते असम राइफल पूर्व सैनिक संगठन के सदस्य।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः असम राइफल पूर्व सैनिक संगठन ने अपने संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया है। कहा कि असम राइफल को पूर्ण रुप से रक्षा मंत्रालय में शामिल करने के मजबूत पैरवी की जाएगी।

पदमपुर स्थित एक बारात घर में संगठन के अध्यक्ष सुबेदार मोहन सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में बैठक आयोजन की गई। वक्ताओं ने कहा कि संगठन पूर्व सैनिकों के हित में लगातार कार्य कर रहा है। देश की सुरक्षा में दिए जा रहे असम राइफल के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। संगठन लगातार असम राइफल के सैनिकों की समस्याओं को लेकर संघर्ष करता है। कहा कि संगठन की मजबूत पैरवी से ही दिल्ली हाईकोर्ट ने असम राइफल को कैंटीन व ईसीएचएस का लाभ दिलवाया है। बैठक में सभी सदस्यों ने ईसीएचएस कार्ड बनवाने की भी अपील की गई। कार्यक्रम में संगठन के स्थापना दिवस के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। कहा कि इस वर्ष संगठन का स्थापना दिवस पंजाब में मनाया जाएगा। ऐसे में सभी सदस्यों को बढ़–चढ़कर कार्यक्रम में भाग लेना चाहिए। बैठक में सदस्यों को हर समस्या के निराकरण का आश्वासन दिया गया। इस मौके पर एमएस भंडारी, शशि डोबरियाल, आनंद सिंह, शोभन सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, अभाविप कार्यकर्ताओं पर दर्ज हो मुकदमें

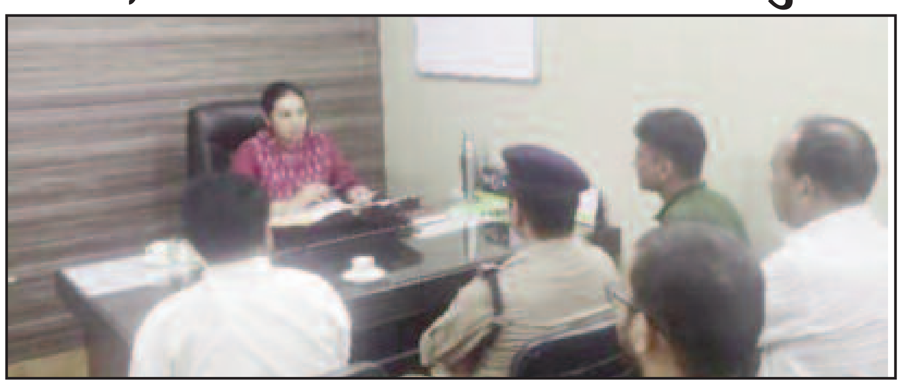

अपर पुलिस अधीक्षक से मिलते कांग्रेस कार्यकर्ता।

कोटद्वारः राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्रों के बीच हुए विवाद को लेकर कांग्रेस ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। कहा कि पुलिस ने केवल एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों पर मुकदमें दर्ज किए हैं। जबकि, एबीवीपी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

रविवार को सदस्यों ने जिलाध्यक्ष विनोद डबराल के नेतृत्व अपर पुलिस अधीक्षक जया बलूनी से मुलाकात की। कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने बताया कि कोटद्वार पुलिस सत्ता में बैठे नेताओं के दबाव में काम कर रही है। कुछ दिन पूर्व महाविद्यालय के छात्र गुटों में मारपीट हुई थी। जिसकी शिकायत कोतवाली पुलिस से की गई। लेकिन, पुलिस ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। नतीजा आठ सितंबर को दोबारा एबीपीपी के कार्यकर्ताओं ने छात्रसंघ अध्यक्ष व अन्य कार्यकर्ताओं पर हमला किया। लेकिन, पुलिस ने उल्टा एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं पर ही मुकदमें दर्ज कर दिए। कांग्रेस नेता प्रवेश रावत ने कहा कि पूरी कार्यप्रणाली से पता चलता है कि पुलिस सत्ता के दबाव में काम कर रही है। कहा कि पुलिस की पूरे मामले की जांच करते हुए एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर मुकदमा दर्ज करना चाहिए। एकतरफा कर्रवाई किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वालीबॉल में राइंका कंडारा, ल्वाली, क्यार्क रहे विजेता

पौड़ीः ब्लॉक स्तरीय शरदकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन छात्र–छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वॉलीबाल प्रतियोगिता में अंडर 14, 17, 19 की विभिन्न स्कूलों ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया।

रविवार को इंडोर स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में अंडर 14 वॉलीबाल बालक वर्ग में राइंका कंडारा ने जनता इंटर कालेज ल्वाली को हरा दिया। अंडर 17 बालक वर्ग में इंटर कालेज ल्वाली ने राइंका क्यार्क को हराया। अंडर 19 बालक वर्ग में राइंका पौड़ी ने राइंका क्यार्क को पराजित किया। अंडर 17 बालिका में राइंका पौड़ी विजेता रही। प्रतियोगिता में कमल उप्रेती, राजेंद्र रावत, राजीव रावत, नरेश जुयाल, बबीता रावत, मालनी, कमल रावत, धमेंद्र नेगी, प्रदीप कुमार, अनूप मणी, डा.कमलेश मिश्रा, सतेंद्र सिंह नेगी, प्रमोद नेगी ने निर्णायक की भूमिका रही।

बारिश के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर गिर रहे बोल्डर, खतरनाक हो रहा सफर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगातार बोल्डर गिर रहे हैं। शनिवार व रविवार को बारिश के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर बोल्डर व मलबा गिरने का दौर जारी रहा। हालांकि राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की ओर से बोल्डर व मलबा हटाकर यातायात सुचारु करवाया जा रहा था।

पिछले दो दिन से कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही थी। ऐसे में राष्ट्रीय राजमार्ग ने दोबारा चुनौतियां खड़ी कर दी है। बरसात में जगह-जगह पहाड़ी से मलबा व बोल्डर गिरने का खतरा बना हुआ है। चिकनी मिट्टी में दोपहिया वाहनों के अनियंत्रित होने का खतरा बना हुआ था। बारिश के दौरान सफर करने वाले यात्रियों की सांसें अटकी रही। वहीं, शनिवार शाम को भी पांचवे मील से करीब दो किलोमीटर आगे बरसाती रपटे पर मलबा व बोल्डर गिर गया था। मौके पर तैनात पोकलैंड मशीन से मलबे व बोल्डर को हटाकर यातायात सुचारु करवाया गया। कई स्थानों पर सड़क का हिस्सा गायब होने के कारण आमने–सामने से आ रहे दो भारी वाहनों को निकलने के लिए पर्याप्त मार्ग भी नहीं मिल पा रहा। इससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम की स्थिति बन रही है। वहीं, बारिश से शहर में भी जगह-जगह जलभराव की स्थिति देखने को मिली। झंडाचौक के साथ ही अन्य स्थानों पर जलभराव हो गया था। क्षेत्रवासियों ने नगर निगम पर नालियों की सफाई नहीं करने का आरोप लगाया। कहा कि नालियां चोक होने से सबसे अधिक परेशानी हो रही है।

कोटद्वार–दुगड्डा के मध्य डेंजर जोन से गुजरते वाहन

31 शिक्षकों को मिला नेशन बिल्डर अवार्ड

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार। इनरव्हील क्लब पिंक की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 31 शिक्षकों को नेशन बिल्डर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानाचार्य एलआर खुगशाल, जनार्दन बुड़ाकोटी ने किया। इस मौके पर संस्था की सदस्य बीना मित्तल ने सरस्वती वंदना और पूजा लड्ढा ने गुरु वंदना की प्रस्तुति दी।

तदुपरांत इनरव्हील प्रार्थना हुई। संस्था की अध्यक्ष आरती खर्कवाल ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता है। छात्रों को सफल बनाने में शिक्षक का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में प्रधानाचार्य एलआर खुगशाल, जनार्दन बुड़ाकोटी, एसपी अग्रवाल, सिद्धार्थ कोटनाला, शशिभूषण अमोली, बृजमोहन सुंडली, सुषमा दास समेत 31 शिक्षकों को सम्मानित किया। इस मौके पर संस्था की सचिव विक्की बत्रा, उपसचिव हेमा अग्रवाल, मीनू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शोभा सिंघल, एडिटर पूजा लड्ढा, मोनिका, वर्षा अग्रवाल, विनीता अग्रवाल, एकता अग्रवाल, रागिनी अग्रवाल, शिखा अग्रवाल आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्था की उपाध्यक्ष बीना मित्तल ने किया।

गोल्डन कार्ड का नहीं मिल रहा कोई लाभ

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः सेवानिवृत्त वन अधिकारी व कर्मचारी कल्याण समिति ने गोल्डन कार्ड का विरोध किया है। कहा कि इस योजना से कर्मचारी व अधिकारियों को किसी भी प्रकार का लाभ नहीं मिल रहा। इस दौरान समिति ने क्षेत्र के विकास के लिए बीस सितंबर को होने वाले चक्काजाम को अपना समर्थन देने का निर्णय लिया है। कहा कि शहर के विकास के मुद्दे को लेकर समिति कोटद्वार बचाओ संघर्ष समिति के साथ है।

रविवार को पनियाली स्थित अरण्य सभागार में समिति की बैठक हुई। वक्ताओं ने कहा कि गोल्डर कार्ड का लाभ किसी भी प्रकार से नहीं मिल रहा है। गोल्डन कार्ड के नाम पर केवल पेंशन से कटौती की जा रही है। गोल्डन कार्ड से सेवानिवृत्त कर्मचारियों का प्रत्यक्ष रूप से कोई लाभ नहीं हो रहा है। ऐसे में सरकार को पेंशन कटौती बंद करनी चाहिए। इस दौरान वक्ताओं ने 20 सितंबर को कोटद्वार बचाओ आंदोलन के तहत चक्का जाम व बंद का भी समर्थन किया गया। कहा कि इस आंदोलन पर समिति अपना पूरा सहयोग देगी। शहर के हर मुद्दे को लेकर समिति गंभीरता से कार्य कर रही है। इस मौके पर इस मौके पर समिति के अध्यक्ष आरपी पंत,धीरजधर बछुवाण, रमेश चंद्र भारती, भारत सिंह सजवाण, केसीराम निराला, जगत सिंह, सुरेश चंद्र मधवाल मौजूद रहे।

आयोजित बैठक में भाग लेते सेवानिवृत्त कर्मचारी व अधिकारी

547 वादों का किया निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पौड़ी, कोटद्वार, श्रीनगर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें मोटर वाहन अधिनियम, मनी रिकवरी, एनआई एक्ट, बैंक रिकवरी, पारिवारिक वाद, आदि वादों निस्तारित किए गए। सीनियर सिविल जज एवं प्राधिकरण के सचिव अकरम अली ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में वादों के निस्तारण के लिए जिले में कुल 7 राष्ट्रीय लोक अदालत पीठ गठित की गई थी। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 549 वाद आए। जिनमें से 547 वादों का निस्तारण कर 1 करोड़ 45 लाख 36 हजार 9 सौ 39 रूपए की धन वसूली की गई।

मोदी के नेतृत्व में तरक्की की ओर बढ़ रहा देशः बछेती

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी। भाजपा दिल्ली के प्रदेश सचिव विनोद बछेती ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश सुरक्षित हाथों में है। और इसका ज्वलंत उदाहरण आज देश के हर कोने में विकास के रुप में है। कहा कि विपक्ष आज मुददा विहीन हो गया है इसलिए अर्नगल बयान बाजी के अलावा उसके पास कुछ नहीं है। कहा कि आगामी लोक सभा चुनाव में भाजपा भारी बहुमत के साथ जीत हासिल करेगी।

रविवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि पहाड़ से उनका पहले से ही लगाव रहा है। पौड़ी स्थित अपने गांव कांडा आने का उन्हें जब भी मौका मिलता है। वह अपने गांव पहुंचते हैं। भाजपा दिल्ली के प्रदेश सचिव व डीपीएमआई के चैयनमैरन विनोद बछेती ने कहा कि देश के 18 राज्यों में व पैरामेडिकल की शिक्षा के लिए 70 केंद्र संचालित कर रहे हैं। दिल्ली, एनसीआर में ही पैरामेडिकल के 46 केंद्र संचालित कर रहे हैं। कहा कि गढ़वाली, कुमांऊनी, जौनसारी भाषा को बढ़ावा देने के लिए वे गर्मियों की छुटटी के दौरान दिल्ली, एनसीआर स्थित पैरामेडिकल के छात्र–छात्राओं को इन भाषाओं की महत्ता और जानकारी देने के लिए प्रयासरत रहते हैं। उन्होने कहा कि वे वर्षों से समाज सेवा और साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों के सम्मान में सम्मान समारोह भी आयोजित करते हैं। कहा कि राजनीति अपनी जगह पर है लेकिन समाज सेवा से जुड़े कार्य वे हमेशा करते रहेंगे। इस मौके पर भाजपा की जिलाध्यक्ष सुषमा रावत, एडवाकेट आशीष जदली, सामाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी आदि शामिल रहे। इससे पूर्व उन्होने पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मुलाकात भी की।

छड़ी महोत्सव 16 सितंबर को

कोटद्वार। छड़ी महोत्सव 16 सितंबर को मनाया जाएगा। इस दौरान शहर में छड़ी महाराज की भव्य शोभा यात्रा भी निकाली जाएगी। छड़ी महोत्सव सिमिति के अध्यक्ष अरविंद वर्मा ने बताया कि 16 सितंबर को 32 पुजारियों का दल छड़ी महाराज सहित कोटद्वार पहुंचेंगे। इसके उपरांत छड़ी महाराज का श्रंगार कर गोविंदनगर से बाजार क्षेत्र के लिए यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा स्टेशन रोड, हनुमान मंदिर, झंडाचौक, पटेल मार्ग से होते हुए वापस गोविंद नगर पहुंचेगी। इसके उपरांत भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा।

जयंती पर भारत रत्न पं. गोविंद बल्लभ पंत को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः जिला मुख्यालय में भारतरत्न पं. गोविंद बल्लभ पंत की 136 वीं जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। इस मौके पर डीएम ने जीबी पंत इंजीनियरिंग कालेज घुड़दौड़ी में पं. जीबी पंत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। जिला कार्यालय में उनके जीवनवृत्त पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

भारतरत्न गोविंद बल्लभ पंत की 136वीं जयंति जिले में धूमधाम के साथ मनाई गई। डीएम डा. आशीष चौहान समेत स्कूली छात्र–छात्राओं ने उनके जीवन चरित्र व आजादी में उनके योगदान पर रोशनी डाली। डीएम डा. चौहान ने कहा कि जीबी पंत ने हिंदू कोड बिल को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जिससे महिला वर्ग को विशेष अधिकार प्राप्त हुए। साथ ही उन्होंने काशीपुर में प्रेम सभा का गठन किया जिसने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए। डीएम ने कहा कि भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पंत की प्रतिमा नगर में स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि गोविंद बल्लभ पंत के जन्मस्थल पौड़ी के च्वींचा गांव में हुआ। लिहाजा उनके नाम पर संग्रहालय बनाने के लिए आगे की कार्यवाही की जाएगी। इस मौके पर जिलाध्यक्ष भाजपा सुषमा रावत, ब्लाक प्रमुख कोट पूर्णिमा नेगी, आंदोलनकारी बीरा भंडारी, मनोज रावत, कुलदीप गुसाईं, मेहरबान सिंह, प्रेम चंद्र ध्यानी आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया गया भारत रत्न पण्डित गोविंद बल्लभ पंत का 136 वां जयंती समारोह

अल्मोड़ा। भारत रत्न पण्डित गोविंद बल्लभ पंत का 136 वां जयंती समारोह जनपद भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर अल्मोड़ा लोकसभा सांसद अजय टम्टा ने जीबी पंत की जन्मस्थली ग्राम खूंट में पहुंचकर स्वर्गीय पंत की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा समस्त जनपद एवं राज्यवासियों को शुभकामनाएं दी। ग्राम खूंट में अल्मोड़ा विधायक मनोज तिवारी ,उपजिलाधिकारी सदर जयवर्धन शर्मा समेत अन्य ने भी जीबी पंत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा यहां पर पौधारोपण किया। सांसद अजय टम्टा ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है, कि अंग्रेजी राज की विषम परिस्थितियों में भी पंत जी ने इस क्षेत्र का नाम विभिन्न मंचों पर रोशन किया था। उन्होंने कहा कि तत्कालीन संसाधन विहीन परिस्थितियों में भी उन्होंने अध्यापन के साथ साथ राजनैतिक कार्य, वकालत तथा विभिन्न कार्य करके राष्ट्र को अपना अमूल्य योगदान दिया।

लाइनमैन करंट की चपेट में आकर झुलसा

बागेश्वर। बिजली के पोल पर चढ़कर जोड़ रहा रहा एक लाइनमैन करंट की चपेट में आकर झुलस गया। वह झटके से पोल से नीचे गिर गया। साथ में गए अन्य कर्मचारी उसे जिला अस्पताल ले गए। लाइनमैन को ठेकेदार उपचार के लिए हल्द्वानी ले जाएगा। घटना के बाद फिर ऊर्जा निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। बालीघाट में बिजली की लाइन में फॉल्ट था। लाइनमैन 30 वर्षीय मंगल सिंह परिहार पुत्र जगत सिंह परिहार निवासी स्यूनी ने शटडाउन लिया। वह पोल पर चढ़ गए। पोल के सामने बनलेख की हाइटेंशन लाइन भी थी। जिस पर करंट दौड़ रहा है। पोल में चढ़ते ही वह करंट के चपेट में आ गया। वह झटके से नीचे गिर गया।

विश्व में हर साल सात लाख लोगों की होती है आत्महत्या से मौत

बागेश्वर। विश्व आत्महत्या निषेध दिवस पर मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत सामाजिक संस्था अपनी धरोहर ने आत्महत्या की रोकथाम के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता नैना तिवारी लोहुमी ने प्रतिभागियों को आत्महत्या से जुड़ी जानकारियां दी और आत्मघाती विचारों से पीड़ित व्यक्ति को पहचानने के गुर बताए। यहां एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में लोहुमी ने बताया कि आत्महत्या किसी महामारी के जैसे हर साल विश्व भर में करीब सात लाख लोग आत्महत्या करते हैं और लगभग हर 40 सेकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है। वहीं उत्तराखंड प्रदेश में हर साल करीब 1700 से ज्यादा लोग आत्महत्या करते हैं। जो प्रतिदिन के चार से पांच के औसत के बीच है। जनपद में भी आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि आत्महत्याओं मे ज्यादातर पुरुष हैं, और इसका कारण बाहर से सख्त बने रहना और अपनी भावनाओं को सही तरह से संतुलित न कर पाना है। गंभीर बीमारी, पारिवारिक कलह, आर्थिक कमजोरी, मानसिक विकार, परीक्षा में असफ़लता, तनाव, हताशा, थकान, कुंठा, गुस्सा, अकेलापन, और बर्दाश्त ना कर सकने के कारण व्यक्ति ऐसे कदम उठाता है। आत्महत्या करने वालों में 95 प्रतिशत की उम्र 12 से 40 के बीच होती है, इनमे 12 से 28 वर्ष के व्यक्ति लगभग 70 प्रतिशत होते हैं। बचाव के उपाय के लिए उन्होंने बताया कि अकेलेपन से बचें, लोगों के बीच अधिक समय बिताएं, परिवार के साथ बैठ कर परेशानी का हल निकालें, गुस्से पर काबू रखें, अपने आप को खुश रखें और खुशनुमा माहौल में रहें, अपने रुझान के कार्यो को जरूर करें, अधिक तनाव से बचें, रिश्तों को बेहतर तरीके से निभाए और संतुलन रखे, अपने मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए उस पर अधिक काम करें। इस दौरान संस्था के उमेश साह, कैलाश अंडोला, ब्रजकिशो वर्मा, आषा देवी, किरन साह, मंगला देवी, नीमा देवी, महेश भट्ट, नीमा देवी, हरीश सिंह तथा चंद्रा उपाध्याय आदि उपस्थित थे।

पंत जी ने समाज में व्याप्त बुराइयों को मिटाने में अहम भूमिका निभाई : इला पंत

नैनीताल। भारत रत्न पं. गोविंद बल्लभ पंत की 136वीं जयंती समारोह नैनीताल में धूमधाम से मनाया गया। परीक्षाओं में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं के साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को भी सम्मानित किया गया। नैनीताल क्लब सभागार में रविवार को भारत रत्न पं. गोविंद बल्लभ पंत की 136वीं जयंती पर कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पंडित पंत की बहू व नैनीताल की पूर्व सांसद इला पंत रहीं। उन्होंने पं. गोविंद बल्लभ पंत की मूर्ति पर माल्यापर्ण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि पंत जी महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाजसेवी एवं कुशल प्रशासक थे। समाज में व्याप्त बुराइयों को मिटाने में अहम भूमिका निभाई। देश की आजादी से पूर्व एवं देश की आजादी के बाद भी उन्होंने देश सेवा के लिए कार्य किए। हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिलाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एडीएम पीआर चौहान ने कहा कि पंत जी का पूरा जीवन पहाड़ एवं देश के नाम रहा। कार्यक्रम में स्कूली छात्र–छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं। यहां पूर्व सांसद डॉ. महेंद्र पाल सिंह, पूर्व विधायक संजीव कुमार आर्य, कार्यक्रम के प्रदेश मुख्य संयोजक गोपाल रावत, सुनील पंत, सरिता पंत, पूरन सिंह मेहरा, स्टेट संयोजक राजेश कुमार, कोआर्डिनेटर ललित भट्ट, सहसंयोजक गोपाल सिंह रावत, प्रो. लक्ष्मण सिंह, सुनील कुमार शर्मा, केएस रौतेला, हाईकोर्ट के बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डीसीएस रावत, शांति मेहरा, दया किशन पोखरिया, आनंद बिष्ट, कुंदन सिंह बिष्ट, कैलाश वर्मा, शांति मेहरा, विमला अधिकारी, पत्रकार गिरीश रंजन तिवारी, चंद्रेक बिष्ट आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नवीन चंद्र पांडे ने किया।

छह से 15 सिंतबर तक होगा खिलाड़ियों का पंजीकरण

बागेश्वर। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बागेश्वर के तत्वावधान में अंडर 23 पुरुष क्रिकेट टीम बनेगी। इसके लिए छह से 15 सितंबर तक खिलड़ियों का पंजीकरण किया जाएगा। 17 को ट्रायल होगा। ट्रायल के बाद ही टीम बनेगी। एसोसिएशन के सचिव रमेश दानू ने बताया कि छह से 15 सितंबर तक पंजीकण होाग। इसके बाद कर्म्याल अकादमी मंडलसेरा में 17 को नौ बजे से ट्रायल शुरू होगा। इसके लिए खिलाड़ियों को कप्यूटराइज्ड जन्म प्रमाण पत्र, शैक्षिक प्रमाण पत्र, वोडटर आई या पासपोर्ट, पैन कार्ड, आधार कार्ड व कैंसिल चेक लाना होगा। ट्रायल के लिए सभी खिलाड़ी अपने ओरिलजन डॉक्यूमैंट साथ लाएं।

पेड़ गिरने से वाहन क्षतिग्रस्त, कोई जनहानि नहीं

अल्मोड़ा। लगातार हो रही बारिश से जनपद में जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। बारिश से जिले की पांच ग्रामीण सड़कें बाधित चल रही हैं तो वहीं रानीखेत में पेड़ गिरने से वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि जिस वक्त पेड़ गिरा, उस वक्त वाहनों में कोई मौजूद नहीं था। अल्मोड़ा में लगातार हो रही बारिश लोगों की परेशानी का सबब बन गई है। बारिश के चलते रानीखेत तहसील के खनियां गांव के पास एरोड मोटर मार्ग पर एक भारी भरकम विशालकाय चीड़ का पेड़ सीधे वाहनों को ऊपर आ गिरा। वहीं, पेड़ गिरने की सूचना ग्रामीणों ने प्रशासन को दी। जिसके बाद आपदा की टीम मौके पर पहुंची और पेड़ को हटाकर यातायात सुचारू करवाया। इसके अलावा मलबा आने से एक स्टेट हाइवे भनोली सीमलखेत समेत पांच ग्रामीण सड़कें बंद हो गई हैं जिनमें अल्मोड़ा ब्लॉक की पातलीबगड़ बड़सीमी मोटर मार्ग, चौलछीना चुपड़ा मोटर मार्ग, पीपना मनहेत डंगूला मोटर मार्ग, जेपी पीपल मोटर मार्ग शामिल हैं। \

बागेश्वर में पंत जयंती धूमधाम से मनाई

बागेश्वर। भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 136वीं जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। लोक निर्माण विभाग तिराहे एवं चौक बाजार पर स्थापित उनकी प्रतिमा पर माल्यर्पण किया गया। उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को याद किया। पंत चौक पर आयोजित कार्यक्रमम में जिपं अध्यक्ष बसंती देव, विधायक पार्वती दास, नगर पालिकाध्यक्ष सुरेश खेतवाल व डीएम अनुराधा पाल ने पंत की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित की। जिलाधिकारी अनुराधा पाल ने भारत रत्न के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि त्याग, संघर्ष एवं बलिदान की प्रतिमूर्ति के साथ–साथ एक अच्छे प्रशासक, कर्तव्यपरायण एवं समाज सेवा के लिए समर्पित थे। उनका जीवन वर्तमान तथा आगे आने वाली पीढ़ी के लिए सदा प्रेरणा दायक रहेगा। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को उनके जीवन परिचय को जानने की कोशिश करनी चाहिए और उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सबकों अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक निष्पक्ष रूप में करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए प्रयास करना चाहिए, यही हम सबकी उनकी जयंती पर उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिपं अध्यक्ष देव ने कहा कि भारत रत्न पंत महान नेता एवं कुशल प्रकाशक के साथ एक समाजसेवी थे। पालिकाध्यक्ष ने भी पंत के जीवन पर प्रकाश डाला। इस मौके पर संयोजक गोविंद सिंह भंडारी, नरेंद्र खेतवाल आदि ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर विभिन्न स्कूल से आए बच्चों द्वारा स्वागत गीत, देशभक्ति गीतों सहित विभिन्न प्रस्तुतियां दी, जिनकों मुख्य अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर स्वच्छता पखवाड़ा और सड़क सुरक्षा पर संकल्प लिया गया एवं राष्ट्रगान गाया गया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी चन्द्र सिंह इमलाल, मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी, जिला विकास अधिकारी संगीता आर्या, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी पंकज श्रीवास्तव, मुख्य शिक्षा अधिकारी जीएस सोन, पुलिस उपाधीक्षक शिवराज सिंह राणा, ईओ नगरपालिका हयात सिंह परिहार, अपर मुख्य चिकित्साधिकरी डॉ. हरीश पोखरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष इंद्र सिंह फर्स्वाण, इंद्र सिंह परिहार, संजय साह जगाती, दिलीप खेतवाल, बाला दत्त तिवारी, हरीश सोनी आदि मौजूद रहे।

3.50 ग्राम स्मैक के साथ एक दबोचा

चम्पावत। पुलिस ने 3.50 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को दबोचा है। पकड़े गए युवक पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

एसपी देवेंद्र पींचा के निर्देश में मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए ऑपरेशन क्रैकडाउन चलाया जा रहा है। इसी के तहत पुलिस ने रविवार सुबह ककराली गेट बैरियर के पास चेकिंग अभियान चलाया। कोतवाल चंद्र मोहन सिंह ने बताया कि चेकिंग के दौरान काठगोदाम, नैनीताल निवासी 23 वर्षीय सूरज गोस्वामी के पास से 3.50 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

लोक अदालत में निस्तारित हुए 139 मामले

चम्पावत। चम्पावत और टनकपुर न्यायालय में लोक अदालत लगी। इस दौरान दोनों अदालतों में 139 मामलों का निस्तारण किया गया। इनमें 44 वादों में सेटलमेंट किया गया। चम्पावत दीवानी न्यायालय व टनकपुर न्यायालय में जिला जज कहकशा खान के निर्देश पर अदालत का आयोजन किया गया। जिला एवं सत्र न्यायालय में मोटर दुर्घटना के एक क्लेम का निस्तारण कर पांच लाख रुपये का सेटलमेंट किया। जबकि दो मेट्रोमोनियल संबंधी मामले निस्तारित हुए। सीजेएम अरुण बोहरा ने 21 वादों का निस्तारण किया। इनमें दो मेट्रोमोनियल, एक एनआई एक्ट व 18 ट्रैफिक चालान के वादों का निस्तारण कर 78700 रुपये का सेटलमेंट किया। सिविल सीनियर जज हेमंत सिंह राणा ने एक–एक वाद मेट्रोमोनियल व सिविल और ट्रैफिक चालान के 27 वादों का निस्तारण कर 37500 रुपये का सेटलमेंट किया। सिविल जज जहांआरा अंसारी ने क्रिमिनल कंपाउंड के नौ, एनआई एक्ट के दो और बैंक रिकवरी के 23 वादों का निस्तारण किया। इधर टनकपुर में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम वर्ग नितिन शाह ने क्रिमिनल कम्पाउंडेबल के 22, एनआई एक्ट के छह, मेट्रोमोनियल के तीन और बैंक रिकवरी के 21 वादों का निस्तारण किया।

सतीश अध्यक्ष व कमलेश महामंत्री बने

चम्पावत। चम्पावत के व्यापारी सतीश जोशी को प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। जबकि कमलेश राय को महामंत्री मनोनीत किया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष नवीन चंद्र वर्मा ने प्रदेश महामंत्री प्रकाश मिश्रा, प्रदेश कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल की संस्तुति पर दोनों व्यापारियों का मनोनयन किया है।

पर्वतीय पर्यावरण, पारिस्थितिकी के क्षेत्र में वैश्विक उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में विकसित करना आगामी लक्ष्यः प्रो० सुनील नौटियाल

अल्मोड़ा। भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पंत के 136वें जन्मदिवस एवं गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, कोसी– कटारमल, अल्मोड़ा के स्थापना दिवस समारोह का शुभारम्भ सांसद अजय टम्टा एवं कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथियों द्वारा पं. गोविन्द बल्लभ पंत की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में संस्थान के निदेशक प्रो० सुनील नौटियाल ने सभी अतिथियों को विषम परिस्थितियों के बावजूद भी इस कार्यक्रम में अपनी सहभागिता हेतु सबका स्वागत करते हुए संस्थान की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में संस्थान ने जैव विविधता संरक्षण, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, जलवायु परिवर्तन तथा जल जमीन संसाधनों के प्रबंधन के क्षेत्र में समन्वित प्रयास किये हैं। संस्थान विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं जैसे हिमालयी क्षेत्र के लोगों की आजीविका वर्धन, जैव विविधता संरक्षण, चीड़ की पत्तियों से विभिन्न सामग्रियों का निर्माण, औषधीय पादपों के उत्पादन के तरीकों को जनमानस तक पहुंचाना तथा पानी के स्त्रोतों के संरक्षण इत्यादि को धरातल पर उतारने हेतु प्रयासरत है। इस अवसर पर उन्होंने कुली बेगार प्रथा का उल्लेख करते हुए पंडित गोविन्द बल्लभ पन्त जी के हिमालय क्षेत्र में उनके योगदान के बारे में बताया। उन्होंने संस्थान के आगामी लक्ष्य पर्वतीय पर्यावरण, पारिस्थितिकी और सतत विकास के क्षेत्र में वैश्विक उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में विकसित करने से भी सबको अवगत कराया। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ जे सी कुनियाल ने 29वें पं. गोविन्द बल्लभ पंत स्मारक व्याख्यान के वक्ता प्रोफेसर मोहम्मद लतीफ खान, वरिष्ठ प्रोफेसर, डॉ. हरिसिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर, मध्य–प्रदेश का परिचय देते हुए उनके शोध कार्यों का जीवनवृत्त दिया। इसके उपरान्त प्रोफेसर मोहम्मद लतीफ खान ने आवाजों और दृष्टिकोणों का समावेश: जंगलों में जलवायु लचीलेपन के लिए समुदायों को सशक्त बनाना विषय पर संस्थान का 29वां पं. गोविन्द बल्लभ पंत स्मारक व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने व्याख्यान में उन्होंने भारतीय वनों में जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता से सबको अवगत कराया।

गुरमत प्रतियोगिता में देवेंद्र सिंह बाबा रहे विजेता

रुद्रपुर। मीरी पीरी खालसा एकेडमी रतनपुरा/नवाबगंज की प्रबंधक कमेटी ने तीसरी बार ग्रंथी सिंघ, कथा वाचक, कविश्री जत्था, ढाढ़ी, रागी जत्था और प्रचारकों के लिए विचार गोष्ठी और गुरमत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें देवेंद्र सिंह बाबा प्रथम स्थान पर रहे। 10 नंबर तक रहे विजेताओं को नकद धनराशि और शील्ड के साथ प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

रविवार को गुरुद्वारा श्री गुरु हरगोबिंद साहिब सर नवाबगंज के जत्थेदार वीर अनूप सिंह के दिशा निर्देशन में रखे गए गुरमत मुकाबले में लिखित और मौखिक परीक्षा के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। इस दौरान लिखित और मौखिक परीक्षा में प्रथम देवेंद्र सिंघ गदरपुर, द्वितीय आत्मा सिंह बिलासपुर, तृतीय हरविंदर सिंह रहे।

पूर्णागिरि सड़क में चार घंटे बंद रही वाहनों की आवाजाही

चम्पावत। पूर्णागिरि सड़क में चार घंटे तक वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद रही। हनुमान चट्टी में मलबा आने से सड़क बंद हो गई। इससे श्रद्धालुओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यहां पहाड़ी से लगातार मलबा गिर रहा है। रविवार सुबह करीब आठ बजे हनुमान चट्टी के पास पूर्णागिरि की पहाड़ी से मलबा सड़क पर गिर गया। इससे यहां से वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई। सड़क बंद होने से पूर्णागिरि दर्शन को जा रहे श्रद्धालुओं और स्थानीय ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। करीब चार घंटे बाद सुबह पौने बारह बजे हनुमान चट्टी के पास से मलबा हटाया गया। ठूलीगाड़ चौकी प्रभारी अरविंद गुप्ता ने बताया कि सड़क में मलबा आने से वाहनों को ठुलीगाड़ के पास ही रोक दिया गया था।

प्रदेश की सेपक टकरा सीनियर पुरुष टीम का चयन

रुद्रपुर। सेपक टकरा संगठन उत्तराखंड के तत्वावधान में आयोजित चयन प्रतियोगिता में प्रदेश की सेपक टकरा सीनियर पुरुष टीम का चयन किया गया।

रविवार को मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम में चयन प्रतियोगिता का भाजपा प्रदेश मंत्री विकास शर्मा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर शुभारंभ किया। सेपक टकरा संगठन उत्तराखंड के अध्यक्ष आरपी शर्मा ने बताया कि चयनित टीम गोवा में होने वाले राष्ट्रीय खेलों में विशेष प्रशिक्षण शिविर के बाद प्रतिभाग करेगी। चयन समिति में शामिल राष्ट्रीय खिलाड़ी एवं स्पोर्ट्स स्टेडियम की प्रशिक्षका प्रगति दुम्का, गौरव जोशी, किरण मौर्य, दिव्या गोस्वामी ने 10 सदस्यीय प्रदेश की सेपक टकरा टीम का चयन किया। टीम में लोकेश शाह, आशीष सिंह, मंगल सिंह, गौरव बिनवाल, तेजस्वी कुमार, राहुल जोशी, जतिन सिंह बसेड़ा, राजेश कुमार, नवनीत डसीला एवं संजय शाह को शामिल किया गया।

सामाजिक चेतना का माध्यम बने महोत्सव

बागेश्वर। कमस्यार महोत्सव की तैयारी को लेकर कमस्यार महोत्सव समिति की देवतोली में बैठक का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि महोत्सव केवल मनोरंजन का साधन न होकर सांस्कृतिक, सामाजिक चेतना का माध्यम हो। इसके लिए सभी को बढ़चढ़कर कार्यक्रम में भाग लेना होगा और अपनी सोच को विकसित करना होगा। विगत वर्षों की भांति ही इस वर्ष भी कमस्यार महोत्सव का आयोजन होना सुनिश्चित हुआ है। दो दिसंबर से शुरू होने वाले महोत्सव को भव्य व आकर्षक बनाया जाएगा। पदाधिकारियों ने शनिवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पीएस डसीला स्मारक राइंका देवतोली खेल मैदान में हुई बैठक में महोत्सव को लेकर चिंतन मंथन किया गया। कमेटी अध्यक्ष सुरेश सिंह रावत ने कहा कि इस बार महोत्सव को अन्य सालों से भी भव्य बनाया जाएगा। महोत्सव में बालक–बालिकाओं के लिए मैराथन दौड़ होगी। स्थानीय प्रतिभाओं को समय देकर झोड़ा, चांचरी, भगनोल गायन पर फोकस होगा। स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दी जाएगी। कमस्यार के विभिन्न प्रतिभाशाली लोगों को मंच के माध्यम से कमस्यार गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। स्थानीय विद्यालयों व महिलाओं पर आधारित रस्सा कस्सी, कुर्सी दौड़ कार्यक्रम भी महोत्सव का हिस्सा रहेंगे। संस्कृति विभाग, सूचना विभाग से दलो की प्रस्तुति भी रहेगी। संचालन दीपक रौतेला ने किया।

टनकपुर में पंत जयंती मनाई

चम्पावत। भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 136वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। जीबी पंत वेलफेयर फाउंडेशन ने पंत की मूर्ति पर माल्यार्पण किया।

रविवार को फाउंडेशन अध्यक्ष नवीन चंद्र पंत ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत के किए गए कार्यों को याद किया।

फाउंडेशन सचिव संजग गर्ग के संचालन में हुए कार्यक्रम में संरक्षक भुवन चंद्र पांडेय व नवीन चंद्र भट्ट, उपाध्यक्ष बसंत पुनेठा, उपसचिव कल्पना चंद, हंसा जोशी, महेश चंद्र राय, बबीता गोस्वामी, प्रीतम सिंह, पदमिनी दयाल मौजूद रहीं।

हिमालय दिवस पर कर्णप्रयाग में आयोजित हुई प्रतियोगिताएं

चमोली। डॉ शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिमालय दिवस पर हिमालय बचाओ अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का शुभारम्भ किया गया।

महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य प्रो. के.एल. तलवाड़ ने छात्र एवं छात्राओं को हिमालय प्रतिज्ञा दिलवाते हुए कहा कि हिमालय हमारे देश का मस्तक है। हमें इसके संरक्षण के लिए बढ़कर आगे आने चाहिए। हिमालय दिवस के अवसर पर भूगोल विभाग द्वारा आयोजित स्लोगन प्रतियोगिता में मोनिका प्रथम, सपना द्वितीय, पोस्टर प्रतियोगिता में शिवानी प्रथम, किरन द्वितीय स्थान पर रहीं। निबन्ध प्रतियोगिता में किरन, श्वेता, सारिका थपलियाल, क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर रहीं। भाषण प्रतियोगिता में मोनिका , प्रेमा , क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिताओं में प्रथम,द्वितीय एंव तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्राओं को प्राचार्य एंव वरिष्ठ प्राध्यापक डा.एमएस कण्डारी, डा. तौफिक अहमद, डा. आर.सी. भट्ट व डा. नरेंद्र पंघाल द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर भूगोल विभाग प्रभारी डॉ तौफिक अहमद ने छात्र एवं छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हमारे सामने बहुत सी चुनौतियां हैं। हमें हिमालय क्षेत्र हो रही अवैध गतिविधियों पर विशेष ध्यान देकर रोकने का प्रयास करना होगा। डा. आरसी भट्ट ने अपने संबोधन में कहा कि हिमालय क्षेत्र मे हो रहे परिवर्तन के लिए हम सब जिम्मेदार हैं।

हिमालय क्षेत्र में पिछले कुछ दशकों से जिस तरह मानवीय गतिविधियां बढ़ी है। उसका स्पष्ट प्रभाव यहां की जलवायु पर देखा जा सकता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण व अवैध गतिविधियों से ग्लेशियर का पिघलना, जैव विविधता का ह्रास, प्राकृतिक रूप में जीव- जन्तुओं के निवास स्थल के समाप्त होने के कारण आज कई समस्याओं का सामना हिमालय क्षेत्र को करना पड़ रहा है।

हिमालय हमारे जल,जीवन, और पर्यावरण का मुख्य आधार है। हमें इसके संरक्षण के लिए विशेष प्रयास करने होंगे तभी इस दिवस की सार्थकता होगी।

रुद्रप्रयाग में बस्तियों में घूम रहा गुलदार

रुद्रप्रयाग। मुख्यालय स्थित कई क्षेत्रों में गुलदार की रातभर चहलकदमी हो रही है। सीसीटीबी कैमरे में कैद हुई तस्वीरों से लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से सुरक्षा की मांग की है। ताकि नगरीय इलाकों में गुलदार का आतंक न बढ़े। बीते कुछ दिनों से महादेव मोहल्ला, अमसारी, पुनाड़, गुलाबराय आदि स्थानों में गुलदार की आवाजाही देखी गई। लोगों का कहना है कि गुलदार मोहल्लों के रास्तों में बेखौफ घूम रहा है जिससे खतरा बना है। लोग कई बार रात को शौचालय और अन्य कायी से घरों से बाहर आते है किंतु गुलदार के हमले का डर बना है। नगर पालिका सभासद लक्ष्मण कप्रवान ने बताया कि महादेव मोहल्ले में घूम रहे गुलदार की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है।

राइंका घंघासू बांगर के लिए मोटर मार्ग का निर्माण शुरू

रुद्रप्रयाग। जखोली ब्लॉक के दूरस्थ क्षेत्र चौर गधेरे से राइका घंघासू बांगर मोटरमार्ग से जुडेगा। रविवार को मोटरमार्ग के लिए भूमि पूजन होने के बाद निर्माण कार्य विधिवत शुरू हो गया है। जिला योजना में 12 लाख की लागत से एक किमी मोटरमार्ग निर्माण के लिए शासन से स्वीकृति मिली थी। पूर्वी बांगर के अन्तर्गत एक किमी राइका घंघासू बांगर मोटरमार्ग के लिए विधायक भरत सिंह चौधरी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह ने भूमि पूजन किया। जिसके बाद विधायक ने जेसीबी से मोटरमार्ग पर निर्माण कार्य विधिवत शुरू करवा दिया है। पिछले लंबे समय से की जा रही मांग पूरी हो गई है। इसके निर्माण से माथ्यागांव की स्थानीय जनता के साथ ही राइका घंघासू में खोड़, डांगी, भनालगांव, उच्छोला, माथ्यागांव के अध्यनरत 400 छात्रों एवं शिक्षकों को यातायात सुविधा का लाभ मिलेगा। इससे पूर्व विधायक चौधरी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह का ग्रामीणों ने फूल–मालाओं एवं ढोल–नगाड़ों के साथ स्वागत किया। विधायक चौधरी ने कहा कि पूर्वी बांगर क्षेत्र विधानसभा का सबसे दूरस्थ क्षेत्र है। सरकार दूरस्थ क्षेत्र के विकास एवं बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। बीते छ वर्षों के कार्यकाल में क्षेत्र में 12 करोड़ से अधिक की धनराशि सड़क डामरीकरण एवं नवनिर्माण, पुल निर्माण, संचार सुविधाओं व विद्यालयों में भवनों के निर्माण पर खर्च किए गए है। क्षेत्र को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का निरन्तर कार्य किया जा रहा है।

बदरीनाथ हाईवे कमेड़ा में सात घंटे रहा बाधित

चमोली। चमोली जनपद में तीन दिन से रुक–रुककर हो रही बारिश से बदरीनाथ हाईवे रविवार को जगह–जगह सात घंटे तक अवरुद्ध रहा। इस कारण स्थानीय लोगों के साथ ही तीर्थयात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बदरीनाथ हाईवे पागलनाला, टंगडी, छिनका, पुरसाड़ी, नंदप्रयाग व कमेड़ा के समीप तड़के पांच बजे पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा आने से हाईवे अवरुद्ध हो गया था। जिसे सात घंटे बाद 12 बजे वाहनों की आवाजाही सुचारु हुआ। इस दौरान हाईवे बंद होने के चलते दोनों और वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने कहा कि जनपद में शनिवार देर रात से लगातार बारिश जारी है। जिससे बदरीनाथ हाईवे अलग–अलग जगह पर बाधित अवरूद्ध हो गया है। जिससे खोलने का कार्य संबंधित विभाग के द्वारा किया जा रहा है। जबकि पागलनाला, छिनका, पुरसाड़ी व नंदप्रयाग में सुबह 10 बजे से ही आवाजाही शुरू हो गई थी। लेकिन कमेड़ा में लगातार पत्थर गिरने के कारण मोटर मार्ग को खोलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

महंगाई और बेरोजगारी को लेकर जन अभियान पर चर्चा

नई टिहरी। महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के देशव्यापी आह्वान पर रविवार को पार्टी की किरगणी ब्रांच कमेटी में जनअभियान पर चर्चा की। कार्यक्रम को पार्टी के जिला संयोजक व राज्य कमेटी सदस्य भगवान सिंह राणा सहित वक्ताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि संघ परिवार के इशारे पर चल रही कॉर्पोरेट परस्त साम्प्रदायिक मोदी सरकार की नव उदारवादी जनविरोधी नीतियों के परिणामस्वरूप महंगाई व बेरोजगारी में भारी इजाफा हुआ है। प्रतिवर्ष दो करोड़ रोजगार देने का वादा करने वाली मोदी सरकार ने न केवल रोजगार के दरवाजे बंद कर दिए हैं। बल्कि करोड़ों रोजगार भी जनता से छीन लिए हैं। पार्टी की ब्रांच कमेटी में जनता के स्थानीय सवालों को शामिल करते हुए नीतिगत सवालों के इर्द–गिर्द आम जनता में जनअभियान ले जाने का निर्णय लिया है। जनअभियान कार्यक्रम का संचालन पार्टी के ब्रांच सचिव व जिला संयोजक मण्डल के सदस्य कामरेड कृपाल सिंह कठैत ने किया।

नैनबाग में कांग्रेसियों ने पार्टी की मजबूती पर दिया जोर

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक के कांग्रेसियों ने नैनबाग में बैठक कर कार्यकर्ताओं से पार्टी और संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस मौके पर नव नियुक्त पदाधिकारियों के साथ बुजुर्गों कार्यकर्ताओं का सम्मान भी किया गया। रविवार को जौनपुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दर्शन नौटियाल की अध्यक्षता में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं की लोनिवि गेस्ट हाउस नैनबाग में बैठक संपन्न हुई। उन्होंने पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करने और भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों को आज जनता के बीच ले जाने की कार्यकर्ताओं से अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार की गलत नीतियों की वजह से

प्रदेश की आम जनता और युवा परेशान है,भाजपा के लोग जनता के गुमराह करने में लगे है। ब्लॉक अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार जिस डबल इंजन से प्रदेश का चौमुखी विकास करने की बात करती थी वह इंजन फेल हो चुका है, जनता अपने आपको ठगा महसूस कर रही है। कहा जल्द कांग्रेस संगठन न्याय पंचायत स्तर पर अध्यक्षों का चुनाव कर पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करने का काम किया जाऐगा। बैठक के बाद ब्लॉक कार्यकारणी का विस्तार किया गया,

पेंशनर्स हेतु ओपीडी में कैशलेस सुविधा लागू करने की मांग

देहरादून। गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर संगठन की बैठक में पेंशनर्स ने ओपीडी में कैशलेस सुविधा लागू करने की मांग की है। इसके साथ ही गोल्डन कार्ड योजना में शामिल होने के इच्छुक पेंशनर्स को दोबारा विकल्प भरने की सुविधा देने की मांग की है। रविवार को संघ भवन में हुई बैठक में वक्ताओं ने कहा कि गोल्डन कार्ड योजना में पेंशनर्स से एकत्रित करोड़ों रुपये की धनराशि पेंशन चिकित्सा पर खर्च की जानी है। इसमें सरकार का अनुदान शामिल नहीं हैं। ऐसे में सरकार को दोनों मांगों के निराकरण में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। कहा कि उच्च न्यायालय की ओर से कोई ऐसे आदेश नहीं दिए गए हैं, जिसमें पेंशनर्स के हित से संबंधित मांगें मानने में कोई विधिक आपत्ति हो। इस मौके पर चौधरी ओमवीर सिंह, दीपचंद शर्मा, लक्ष्मीकांत मिश्रा, पीसी खंतवाल, दिनेश जोशी, विजेंद्र कुमार, हेमेंद्र रौतेला, सुशील त्यागी, चंद्रभान मुल्तानी, प्रेमाद कुमार सैनी, दिनेश सुंदरियाल, अनिल कुमार पैन्यूली, राजेंद्र पाल सिंह, नरेंद्र सिंह रावत, किशोर सिंह नेगी, ऋषिपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

कम समय के बावजूद विपक्ष ने सदन में सरकार को घेरा

देहरादून। नेता विपक्ष यशपाल आर्य ने सरकार पर विधानसभा में विपक्ष का सामना करने से बचने का आरोप लगाया है। आर्य ने कहा कि सरकार ने विधानसभा के लिए बहुत कम समय उपलब्ध कराया, फिर भी विपक्ष ने सरकार को सभी विषयों पर जमकर घेरा। रविवार को विधानसभा में मीडिया कर्मियों से बातचीत में आर्य ने कहा कि मानसून सत्र में जहां कांग्रेस विधायक दल ने सरकार को हर कदम पर घेरने का काम किया, वहीं सरकार विपक्ष के प्रश्नों का जबाब देने में असफल रही। कांग्रेस सरकार से मानसून सत्र का समय बढ़ाने की मांग करती रही, लेकिन सरकार ने सत्र नहीं बढ़ाया। उन्होंने कहा कि कार्य संचालन नियमावली के अनुसार साल के तीन सत्रों में कम से कम 60 दिन विधानसभा के सत्र चलाना जरूरी है, लेकिन इस साल अब तक विधानसभा महज 7 दिन चल पाई है। इसमें शोक वाले दिन भी सम्मलित हैं जिनमें शोक प्रस्ताव पर चर्चा के अलावा कोई कार्य नहीं होता है। गत साल भी विधानसभा केवल आठ दिनों के लिए ही चली थी। आर्य ने कहा कि सरकार विधानसभा में महत्वपूर्ण विषयों पर विधेयक नहीं ला रही है। सरकार इस कमी को कांग्रेस विधायक असरकारी विधेयकों के जरिए पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार उपनल, तदर्थ, संविदा, अंशकालिक कर्मचारियों को नियमित करने का विधेयक लेकर नहीं आती है तो विपक्ष अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए असरकारी विधेयकों को पेश कर सरकार को विधायी चुनौती प्रस्तुत करेगा। प्रेस वार्ता में प्रीतम सिंह ने कहा कि प्रदेश में डेंगू विकराल रूप धारण कर चुका है। सरकार रोकथाम में पूरी तरह नाकाम रही है, बीमार और मृतकों का आंकड़ा रोज बढ़ता जा रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष के सख्त रुख की सराहनाः यशपाल आर्य ने अवमानना के मामलों में सख्त रुख अपनाने पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी की सराहना की है। आर्य ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष ने ना सिर्फ सदन कुशलता और निष्पक्षता से संचालित किया बल्कि विधायकों की गरिमा की रक्षा के लिए पीठ से कठोर निर्णय भी लिए। प्रेस वार्ता में विधायक मदन बिष्ट के साथ ही कांग्रेस नेता राजीव महर्षि भी शामिल हुए।

भाजयुमों की परिचय बैठक में आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की

विकासनगर। भाजपा युवा मोर्चा जिला देहरादून ग्रामीण द्वारा रविवार को नगरपालिका सभागार में युवा मोर्चा की परिचय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूप रेखा तैयार कि गई। भाजयुमो की परिचय बैठक में पहुंचे भाजपा के जिला महामंत्री विनोद कश्यप ने नव नियुक्त पदाधिकारियों का परिचय किया। तत्पश्चात आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की साथ ही कार्यकर्ताओं को लोक सभा चुनाव में जुट जाने का भी आह्वान किया। इसके बाद सभी कार्यकर्ताओं ने शहीद स्मारक पर पौध रोपण किया। जिसमें वन पर्यावरण पर चर्चा करते हुए भाजमुयो जिला अध्यक्ष संजय तोमर ने कहा आज हमारे भारतवर्ष में केवल 23 प्रतिशत वन रह गए। कहा जिसका मुख्य कारण लगातार हो रही वनों की कटाई है।

पंडित गोविन्द बल्लभ पंत की जयंती पर दी उन्हे भावभीनी श्रद्धांजलि

नई टिहरी। उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री, देश के गृह मंत्री व स्वतंत्रता सेनानी रहे भारत रत्न पंडित गोविन्द बल्लभ पंत की 136वीं जयंती पर जनपद मुख्यालय सहित विभिन्न स्थानों पर गणमान्यजनों ने उन्हें याद कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। जिला कलेक्ट्रेट परिसर नई टिहरी में भी डीएम मयूर दीक्षित ने पंडित गोविन्द बल्लभ पंत की जन्म शताब्दी समारोह पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। डीएम ने पं. गोविंद बल्लभ पंत के जीवनवृतान्त पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज ही के दिन उनका जन्म उत्तराखण्ड राज्य के अल्मोड़ा जिले के खूंट गांव में हुआ था। पंत का स्वतंत्रता संग्राम में तो महत्वपूर्ण योगदान रहा ही है, इसके साथ ही स्वतंत्रता संग्राम के बाद भी उनके द्वारा समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने व जमींदारी उन्मूलन आदि अनेक क्षेत्रों में सराहनीय कार्य किये गए। जिसके लिए उन्हें भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया। हमें भी उनके पदचिह्नों पर चलकर अन्तिम छोर के व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़कर उत्तराखण्ड को प्रगतिशील राज्य बनाने में अपने–अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वहन करना चाहिए। इस अवसर पर जिला कलक्ट्रेट के समस्त अधिकारी व कर्मचारियों ने भी पं गोविंद बल्लभ पंत के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। सीडीओ मनीष कुमार ने विकास भवन परिसर नई टिहरी में पं गोविंद बल्लभ पंत के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। विकासभवन के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी पं पंत को याद कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

वारंटी पकड़ा

नई टिहरी। गैर जमानती वारंट की तामील के लिए मुनिकीरेती थाने के चलाये जा रहे अभियान के तहत वारंटी विक्रम सिंह पुत्र गोविंद सिंह (32) निवासी बनाली मल्ली टिहरी गढ़वाल हाल निवासी अंबेडकर चौक ऋषिकेश को अम्बेडकर चौक ऋषिकेश से गिरफ्तार किया गया।

मलबा डालने पर गुलाब कोटी के ग्रामीण आक्रोशित

चमोली। पीपलकोटी–विष्णुगाड़ जल विद्युत परियोजना का मलबा कार्यदायी संस्था की ओर से गुलाबकोटी गांव की वन पंचायत व निजी भूमि में डाला जा रहा है। ग्रामीणों ने इस संबंध में शिकायत की और पत्र जिलाधिकारी को ज्ञापन के रूप में भेजा है। जिसमें उन्होंने कंपनी के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही मामले में जल्द कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। टीएचडीसी की विष्णुगाड़ जल विद्युत परियोजना में कार्यदायी संस्था एचसीसी है। गुलाबकोटी के ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि परियोजना के बैराज साइट का मलबा ग्रामीणों की सहमति के बिना वन पंचायत व निजी भूमि में डाला जा रहा है। यहां से मलबा सीधे अलकनदां में पहुंच रहा है। ग्रामीणों का श्मशान घाट जाने का रास्ता भी ध्वस्त हो गया है। ग्रामीणों की ओर से इस संबंध में कंपनी के अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन उनकी बात को पूरी तरह से अनसुना कर दिया गया।

राज्य विज्ञान संगोष्ठी में हरिद्वार की अंकिता रही प्रथम

चमोली। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तराखंड देहरादून के दिशा निर्देशन में कक्षा 8 से कक्षा 10तक के बच्चों के लिए श्रीअन्न एक मूल्यवर्धित पौष्टिक अथवा भ्रान्ति आहार विषय पर राज्य स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें हरिद्वार की अंकिता ने प्रथम, पिथौरागढ़ के मृगेश पांडेय ने द्वितीय और टनकपुर की साक्षी ने तृतीय स्थान हासिल किया।

जीजीआईसी में आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला योजना समिति के सदस्य अनिल नेगी, विशिष्ट अतिथि गढ़वाल सांसद प्रतिनिधि नवीन टाकुली, शिक्षक अभिभावक संघ के अध्यक्ष दिलवर चौहान, एससीआरटी उत्तराखंड की उपनिदेशक किरन बहुखण्डी, नीलम पंवार, राज्य विज्ञान समन्वयक देवराज सिंह राणा, प्रधानाचार्य डा. सुमन ध्यानी शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ के रूप में कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी चमोली डा. आशुतोष बड़थ्वाल द्वारा मिलेट्स से सम्बंधित जानकारी दी गई। चमोली के जिला विज्ञान समन्वयक गम्भीर सिंह असवाल ने बताया कि प्रतियोगिता में राज्य के 13 जनपदों से प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त कुल 25 प्रतिभागी (बालिका –14, बालक–11) के साथ उनके मार्गदर्शक शिक्षकों,टीम प्रभारी द्वारा प्रतिभाग किया गया।

रोटरी क्लब दून शिवालिक हिल्स ने शिक्षकों को किया सम्मानित

देहरादून। रोटरी क्लब दून शिवालिक हिल्स की ओर से रविवार को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में स्किल्ड स्कूल में प्रतिभावान शिक्षकों को सम्मानित किया गया। आयोजन के मुख्यअतिथि डायरेक्टर दून ग्लोबल स्कूल क्रिस्टोफर हैंन्वे रहे। उन्होंने शिक्षकों का आभार वयक्त किया और उनके नए भारत निर्माण में सहयोग की सराहना की। आयोजकों ने बताया कि यह पुरस्कार रोटरी इंडिया लिटरेसी मिशन के अंतर्गत हर साल शिक्षकों के योगदान के लिए दिए जाते हैं। शिक्षा, कौशल विकास, सांस्कृतिक, खेलकूद व व्यवहारिक ज्ञान से सम्बंधित क्षेत्रों के शिक्षाविदों को इसमें सम्मलित किया जाता है। रोटरी क्लब के अध्यक्ष दिव्येश गर्ग, सचिव प्रशांत घिल्डयाल व प्रोग्राम आयोजक अंकित अग्रवाल ने पुरस्कारों का वितरण किया और सभी अतिथिओं का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब से डॉ जयंत नवानी, रसिक भाटिया, अनिल धस्माना, अजय, पुनीत व कविता टंडन आदि मौजूद थे।इन शिक्षकों को किया सम्मानितः हाईब्रो एजुकेशन से कविता पंत, दून स्कूल से अंजन कुमार, आनंद कुमार, श्री राम स्कूल से नवीता मल्होत्रा, बुकमाय ट्यूट्स से तारू मेहेन, शेमरॉक रेनबो से सुनील अग्रवाल, साई ग्रेस अकादमी से वैशाली सिंह, डब्ल्यूआईटी से अंकुर दुमका, शिवालिक अकादमी से तान्या त्यागी, जेएमडीआई से प्रणीत मेहता, यूपीइएस से डॉ निशांत मिश्रा, इन्फिनिटी ट्यूटोरियल्स से डॉ कुशाग्र शर्मा, शिक्षांकुर स्कूल से वसुन्धरा गुप्ता, दून ग्लोबल स्कूल से फराह सईद को सम्मानित किया गया।

पछुवादून में पंडित गोविंद बल्लभ पंत को किया नमन

विकासनगर। उत्तर प्रदेश (तत्कालीन संयुक्त प्रांत) के प्रथम मुख्यमंत्री भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत को उनकी जयंती पर पछुवादून में याद किया गया। पछुवादून विकास मंच की ओर से हरबर्टपुर में उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। मंच संयोजक अतुल शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता सैनानी के तौर पर गोविंद बल्लभ पंत जी को सदैव याद किया जाता रहेगा। अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ते हुए अनेकों बार जेल गए। वो उच्च कोटि के वक्ता एवं कुशल प्रशासक थे। महात्मा गांधी के नेतृत्व में कई आंदोलन की उन्होंने अगुवाई की। आजादी के बाद उत्तर प्रदेश के निर्माण की नींव रखने वाले पंडित गोविंद बल्लभ पंत उराखंड के अल्मोड़ा जनपद के मूल निवासी थे। कहा कि आज वो हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके आदर्श, कार्य, सिद्धांत हमें सदा उनकी याद दिलाते रहेंगे। वर्तमान दौर के नेताओं को ऐसे महान राजनीतज्ञों से सीख लेने की आवश्यकता है। इस अवसर पर मंच के आलोक खंक्रियाल, आमोद शर्मा, मुकेश राज शर्मा, संजीव गुप्ता, नवीन कुमार, राकेश कश्यप, मोहन खत्री, अमन बिजल्वाण, सुधीर कुमार, उपेंद्र कुमार, वीर सिंह राणा आदि मौजूद रहे। दूसरी ओर अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज बरोटीवाला में शिक्षकों ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत के चित्र पर पुष्प अर्पित उन्हें श्रद्धांजलि दी।कांग्रेस को याद नहीं रही जयंतीः हर छोटे–बड़े नेताओं का जन्मदिन और जयंती मानने के लिए ऐतिहासिक तिलक भवन में इकठ्ठा होने वाले शहर, ब्लॉक, जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं को उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती याद ही नहीं रही। रविवार को कांग्रेस कार्यालय तिलक भवन में सन्नाटा पसरा रहा। उधर, शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कितेश जायसवाल ने बताया कि कांग्रेसी अपने महान नेताओं को हमेशा सम्मान देते हैं। इस बार शहर से बाहर होने के कारण कार्यक्रम आयोजित नहीं कर पाए।

उत्तराखंड में राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी का गठन

देहरादून। उत्तराखंड में एक नए क्षेत्रीय दल राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी का गठन हो गया है। पहले दिन कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ली। पार्टी आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों में सभी सीटों पर दावेदारी करेगी। उत्तरांचल प्रेस क्लब में रविवार को पार्टी के संयोजक शिवप्रसाद सेमवाल ने राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में राष्ट्रीय पार्टियां यहां के स्थानीय मुद्दों पर ध्यान नहीं दे रहीं। भू–कानून अभी तक नहीं बना है। मूल निवासी को स्थायी निवास में बदलकर यहां के लोगों को छला गया है। फर्जी तरीके से स्थायी निवास बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई तक नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक ऐसे दल की जरूरत है, जो यहां के लोगों की जरूरतों और समस्याओं को समझ सके। पार्टी निकाय चुनाव में भी सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। सुलोचना ईष्टवाल ने कहा कि हालिया वर्षों के चुनावों में भाजपा, कांग्रेस के बाद नोटा को सर्वाधिक वोट मिले हैं,

सैन्य परिवारों ने पर्यावरण पार्क भ्रमण कर कूड़ा निस्तारण की जानकारी ली

विकासनगर। सेना में तैनात जवानों के परिजनों ने रविवार को छावनी क्षेत्र के एमईएस लाइन स्थित पर्यावरण पार्क (ट्रंचिंग ग्राउंड) का भ्रमण कर कूड़ा निस्तारण के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

फीडबैक फाउंडेशन व छावनी परिषद चकराता द्वारा नवीनतम तकनीक से कूड़ा निस्तारण का कार्य किया जा रहा है, जिसमें कूड़े को अलग–अलग वर्गों में बांट कर इसका निस्तारण किया जा रहा है। रविवार को यहां स्थित पर्यावरण पार्क में पहुंच सेना के जवानों की गृहणियों ने कूड़ा निस्तारण की बारीकियों को समझा। फीडबैक फांउडेशन की टीम द्वारा गृहणियों को घर से ही कूड़ा अलग–अलग कर दिए जाने को लेकर उन्हें जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को कूड़े के चार प्रकार से सोर्स सेग्रीगेशन की विस्तार पूर्वक जानकारी देने के साथ ही सिंगल यूज़ प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने की सलाह भी दी गई। संस्था के प्रतिनिधि मुनेश यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि घर का कूड़ा बाहर फेंकने से क्या क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं। कहा कि कूड़े का सही प्रकार से निष्पादन न होने से पर्यावरण गन्दा होता है, जो विभिन्न रोगों का कारक बनता है।

इसलिए घर या घर के बाहर या बस्तियों में कचरा न फैलाने के लिए लोगों को भी जागरूक किया जाए। इसमें महिलाएं बड़ा रोल निभा सकती हैं। उन्होंने महिलाओं को रोजाना निकलने वाले गीले कूड़े, सूखे कूड़े, जैव अपशिष्ट कूड़े व घरेलू हानिकारक कूड़े के निस्तारण के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

दो दिवसीय सेमीनार में 282 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया

विकासनगर। जेबीआईटी देहरादून के इलेक्ट्रॉनिक एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग ने रविवार को ग्राफीन एवं कार्बन नैनोट्यूब बेस्ट सेंसर टेक्नोलॉजी पर एक दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया, जिसमें देश–विदेश से 282 प्रतिभागी शमिल हुए।

सेमिनार में डॉ. राकेश कुमार ने देश–विदेश से ऑनलाइन माध्यम से जुड़े 282 प्रतिभागियों को नैनो टेक्नोलॉजी बेस्ट सेंसर टेक्नोलॉजी पर अपना व्याख्यान दिया,
जिसमें डॉ. कुमार ने आम जीवन से लेकर आसमान में रॉकेट्स और रॉबर्स इत्यादि में प्रयोग होने वाले सेंसर्स की बेहतरीन जानकारी से भी अवगत करवाया।

पुरानी पेंशन बहाली को एक अक्तूबर को दिल्ली कूच

देहरादून। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के बैनर तले एक अक्तूबर को कर्मचारी दिल्ली कूच करेंगे। रविवार को हुई बैठक में सचिवालय संघ समेत तमाम अन्य कर्मचारी संगठनों ने दिल्ली कूच को अपना समर्थन दिया। दिल्ली कूच को सफल बनाने को एमएमओपीएस की ओर से जागरुकता अभियान के साथ ही सदस्यता अभियान भी चलाया जा रहा है। अभी तक 50 से अधिक मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठन इस मुहिम में शामिल हो चुके हैं। सचिवालय संघ की ओर से भी मुहिम को अपना समर्थन दिया गया। उत्तराखंड सचिवालय सहायक संघ, उत्तराखंड सीधी भर्ती अधिकारी संघ, उत्तराखंड सचिवालय राज्य संपत्ति वाहन चालक संघ, उत्तराखंड सचिवालय सुरक्षा संघ, उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ, उत्तराखंड फार्मासिस्ट महासंघ, उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन, उत्तराखंड चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ भी समर्थन में आगे आए हैं। एनएमओपीएस के प्रदेश अध्यक्ष जीतमणि पैन्यूली ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाल कराने को लेकर देश भर का कर्मचारी संगठन एकजुट है।

पीएम मोदी की 'गारंटी' ने भारत के लिए खोल दिया महाशक्ति बनने का रास्ता, कूटनीतिक मोर्चे पर खेला बड़ा दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। 'जी20' शिखर सम्मेलन में मौजूद विश्व की पांच महाशक्तियों के बीच जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी एक गारंटी पूरी की तो इसे कूटनीतिक मोर्चे पर भारत की एक बड़ी जीत बताया गया है। एक गारंटी के माध्यम से अब 'भारत', दुनिया को साधने के करीब पहुंच गया है। अफ्रीकन यूनियन 'एयू' को जी20 की सदस्यता दिलाना आसान नहीं था, लेकिन भारत की अध्यक्षता में पांचों महाशक्तियों, अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस की मौजूदगी में पीएम मोदी ने जब 'अफ्रीकन यूनियन' को 'जी20' की सदस्यता देने की घोषणा की तो इसे कूटनीतिक मोर्चे पर एक बड़ा कदम माना गया। इस कूटनीतिक जीत का फायदा आने वाले समय में भारत को मिल सकता है। संयुक्त राष्ट्र संघ की 'सुरक्षा परिषद' में भारत के लिए स्थायी सदस्यता की दावेदारी अब और ज्यादा मजबूत हो जाएगी।

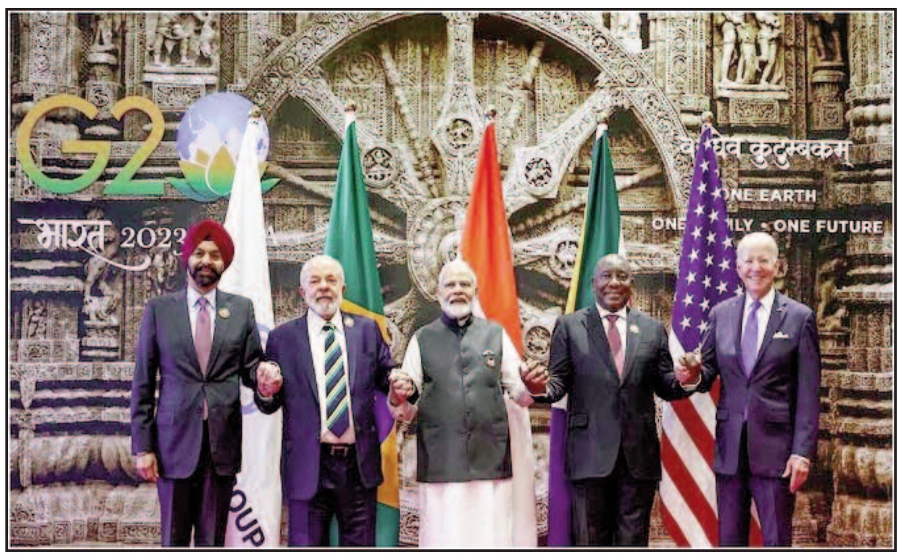

दरअसल, शनिवार को 'जी20' शिखर सम्मलेन के पहले दिन जब 'नई दिल्ली डिक्लेरेशन' के स्वीकार होने की घोषणा हुई तो विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने 'मोदी की गारंटी' का खुलासा किया था। उनसे सवाल पूछा गया था कि अफ्रीकन यूनियन को जी20 में शामिल करने के दौरान किस तरह की दिक्कतें सामने आईं थी। डॉ. जयशंकर का कहना था, गत वर्ष इंडोनेशिया में हुए सम्मेलन में अफ्रीकन यूनियन ने पीएम मोदी से आग्रह किया था कि उसे भी समूह का सदस्य बनाया जाए। इस पर पीएम मोदी ने उन्हें गारंटी दी थी कि वे अफ्रीकन यूनियन को जी20 का सदस्य बनवाएंगे। अब पीएम मोदी ने वह गारंटी पूरी कर दी है। जानकारों का कहना है, 'एयू' को जी20 की स्थायी सदस्यता दिलाना आसान नहीं था। इस बाबत रूस और चीन का रूख कुछ अलग था। चीन को 'जी20' का विस्तार पसंद नहीं था। वजह, इससे ग्लोबल साउथ में उसका कद प्रभावित होता है। करीब एक दशक से चीन का फोकस ऐसे देशों पर रहा है जो अमेरिका, ब्रिटेन या भारत के ज्यादा करीब नहीं हैं। ऐसे देशों को चीन उन समूहों का सदस्य बनवाने की कोशिश कर रहा है, जो उसके प्रभाव में हैं। भारत ने यहीं पर कूटनीतिक दांव चला और एयू को जी20 का सदस्य बनवा दिया। चीन का प्रयास था कि वह अफ्रीकी संघ के देशों में भारी निवेश के माध्यम से अपने आर्थिक लक्ष्यों की पूर्ति करे। अब चीन उन देशों का शोषण करने की साजिश में सफल नहीं हो सकेगा। एयू के 55 देशों के प्राकृतिक संसाधन, चीन के प्रभाव में आने से बच जाएंगे।

चीन इस कोशिश में लगा है कि ब्रिक्स का विस्तार किया जाए। इसी के चलते अब इस संगठन में मिस्त्र, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इथियोपिया और अर्जेंटीना को शामिल करने का रास्ता साफ हो गया है। मध्य-पूर्व, अफ्रीका व दक्षिण अमेरिका में इस समूह का प्रतिनिधित्व बढ़ जाएगा। इन देशों की सदस्यता 1 जनवरी, 2024 से प्रभावी होगी। अभी तक ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन तथा दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।

'ब्रिक्स' के तहत आने वाले विश्व के पांच सबसे बड़े विकासशील देशों में वैश्विक आबादी का 41 प्रतिशत हिस्सा है। वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 24 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार का 16 फीसदी प्रतिनिधित्व है। दूसरी तरफ चीन, जी20 के विस्तार के हक में नहीं था। वजह, यहां पर कई बड़े देश उसे टक्कर दे सकते हैं।

चीन की इस नीति को समझते हुए भारत ने 'एयू' को जी20 का स्थायी सदस्य बनवाया है। जी20 देश, अब विश्व की अर्थव्यवस्था में लगभग अस्सी फीसदी की हिस्सेदारी रखेंगे। जी20 शिखर सम्मेलन में पहले कहा जा रहा था कि 'नई दिल्ली डिक्लेरेशन' की घोषणा अटक सकती है, लेकिन पीएम मोदी ने 112 मुद्दों पर सहमति बनाकर दुनिया को चौंका दिया है। भारत ने अपनी कूटनीति से जहां अफ्रीकी देशों में चीन की साजिश को तोड़ने का प्रयास किया है, रूस-यूक्रेन युद्ध की छाया के बीच 'नई दिल्ली डिक्लेरेशन' पर सहमति का रास्ता भी निकाल लिया।

सूत्रों के मुताबिक, जी20 में 'नई दिल्ली डिक्लेरेशन' का स्वीकार होना, यह कूटनीतिक मोर्चे पर भारत की बड़ी जीत है। वजह, जी20 में सभी महाशक्तियां शामिल हैं। उनकी मौजूदगी में भारत ने सहमति का रास्ता निकाला है। अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और जापान ने भी 'एयू' को स्थायी सदस्य बनाने के मामले में बाधा खड़ी नहीं की। घोषणापत्र के नौवें पहरे में लिखा था, हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि जी20, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए एक प्रमुख मंच है। यह समूह भू-राजनीतिक और सुरक्षा मुद्दों को हल करने का मंच नहीं है।हालाँकि हम स्वीकार करते हैं कि इन मुद्दों का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण परिणाम हो सकता है। भारत ने यह बात कह कर चीन और रूस, दोनों को संदेश दे दिया। हालांकि चीन का कहीं नाम नहीं लिया।

'नई दिल्ली डिक्लेरेशन' के 13वें पहरे में लिखा है, हम सभी राज्यों से क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को, अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों के मुताबिक, बनाए रखने की अपील करते हैं। मानवीय कानून, शांति और स्थिरता की रक्षा करने वाली बहुपक्षीय प्रणाली सहित अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों को बनाए रखने का आह्वान करते हैं। विभिन्न देशों के मध्य संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान और संकटों के हल के हल के लिए प्रयास करने के साथ ही कूटनीति और संवाद महत्वपूर्ण हैं। हम वैश्विक अर्थव्यवस्था पर युद्ध के प्रतिकूल प्रभाव को संबोधित करने के अपने प्रयास में एकजुट होंगे। यूक्रेन में व्यापक एवं न्यायसंगत और टिकाऊशांति का समर्थन करने वाली सभी प्रासंगिक और रचनात्मक पहलों का स्वागत करेंगे। बशर्ते, ये सभी पहल, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सभी उद्देश्यों और सिद्धांतों को कायम रखें। एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य की भावना से राष्ट्रों के बीच शांतिपूर्ण, मैत्रीपूर्ण और अच्छे पड़ोसी संबंधों को बढ़ावा देना होगा। भारत ने ऐसा कर 'रूस और यूक्रेन' के लिए एक संदेश और जी20 का स्टैंड क्लीयर कर दिया।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने शनिवार को 'जी20' की बैठक को सफल करार दिया है। पीएम मोदी के साथ सेल्फी लेने के बाद उन्होंने कहा, भारत और आस्ट्रेलिया के बीच अच्छी द्विपक्षीय चर्चा हुई है। दोनों राष्ट्रों के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) को लेकर सार्थक नीति बनी है। गत मई में पीएम मोदी, ऑस्ट्रेलिया गए थे। तब भी दोनों देशों ने 'निवेश' की संभावनाएं तलाशी थी।

अल्बनीज का कहना था, भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय के योगदान की वजह से ऑस्ट्रेलिया एक बेहतर जगह है। दोनों देश, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, भारत पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच आर्थिक एकीकरण का प्रभावी माध्यम होगा। यह पूरे विश्व में कनेक्टिविटी और विकास को सस्टेनेबल दिशा प्रदान करेगा।

भारत-मध्य पूर्व-यूरोप शिपिंग और रेलवे कनेक्टिविटी कॉरिडोर की घोषणा को एक बड़ी बात करार देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा, अगले दशक में, भागीदार देश निम्न-मध्यम आय वाले देशों में बुनियादी ढांचे की कमी को दूर करेंगे। बाइडेन ने कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं। एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य, यही इस जी20 शिखर सम्मेलन का फोकस है। पार्टनरशिप फॉर ग्लोबल इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट (पीजीआईआई) और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा, भारत, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, फ्रांस, इटली, जर्मनी व संयुक्त राज्य अमेरिका से जुड़े कनेक्टिविटी एवं बुनियादी ढांचे के विकास में सहयोग पर एक ऐतिहासिक पहल है।

सउदी अरब के क्राउन प्रिंस सलमान ने कहा, इकानॉमिक कॉरिडोर की पहल, जिसके बारे में जी20 की बैठक के दौरान घोषणा की गई है, इसके लिए मैं उनको धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने इसके लिए काम किया है। यूरोपियन कमीशन की अध्यक्ष, प्रेसीडेंट उर्सुला वॉन डेर लेन ने कहा, अर्थव्यवस्थाओं के इन्फ्रास्ट्रक्चर में इनवेस्टमेंट मिडिल इनकम वाले देशों की जरूरत है। इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकॉनामिक कॉरिडोर, ऐतिहासिक है। यह इंडिया, अरेबियन गल्फ और यूरोप के बीच सीधा संपर्क बनाने वाला है।

इसके चलते भारत और यूरोप के बीच व्यापार में 40 प्रतिशत की तेजी आएगी। यह महाद्वीपों और सभ्यताओं के बीच ग्रीन एंड डिजिटल ब्रिज होगा। ट्रांस अफ्रीकन कॉरिडोर, यह घोषणा भी बड़े स्तर पर इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश की पहल है। इसका लाभ सभी सदस्यों को होगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा, ये एक बहुत महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। सभी सदस्य देश, लंबी अवधि के लिए निवेश करने के प्रतिबद्ध हैं। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने भी इसे एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट करार दिया है। इसमें जर्मनी 3500 मिलियन यूरो का वर्ल्ड बैंक के साथ अतिरिक्त निवेश करेगा।

मई में क्वाड देशों का दूसरा शिखर सम्मेलन, जापान में आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जापान के हिरोशिमा में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस, जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ बाइडेन के साथ व्यक्तिगत उपस्थिति वाले तीसरे क्वाड राजनेता शिखर सम्मेलन में भाग लिया था।

पीएम मोदी ने समुद्र में केबल के डिजाइन, निर्माण, बिछाने और रखरखाव में क्वाड की सामूहिक विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए 'केबल संचार-संपर्क और सहनीयता के लिए साझेदारी पर बल दिया था। राजनेताओं ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में विकास के बारे में महत्वपूर्ण बातचीत की। एक मुक्त, खुले और समावेशी भारत-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपने दृष्टिकोण के तहत, इन नेताओं ने संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के सिद्धांतों को बनाए रखने के महत्व को दोहराया।

बैठक के बाद क्वाड राजनेता दृष्टिपत्र वक्तव्य-'भारत-प्रशांत क्षेत्र के लिए स्थायी भागीदार' जारी किया गया, जो उनके सैद्धांतिक दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है। जानकारों का कहना है कि चीन के साथ जारी सीमा विवाद के मद्देनजर, भारत अब 'क्वाड्रिलैटरल सिक्योरिटी डॉयलॉग' में अपनी सक्रिय भागेदारी से चीन को घेरने की कोशिश करेगा। वजह, इस समूह में अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान जैसे मजबूत राष्ट्र हैं। भारत, पिछले कई वर्षों से जापान के साथ, तकनीक से जुड़े कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा रहा है। दूसरी तरफ अमेरिका के साथ भी कई तरह के सैन्य उपकरणों से संबंधित वार्ता चल रही हैं।

इंसानियत शर्मसार: गैंगरेप के बाद कपड़े भी साथ ले गए बदमाश, सडक़ पर निर्वस्त्र देख लोगों ने समझा पागल

भीलवाड़ा ,(एजेंसी)। राजस्थान के भीलवाड़ा में इंसानियत को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। यहां खाना खाने के बाद घर से बाहर टहलने गई महिला का तीन युवकों ने अपहरण कर लिया। आरोपियों ने महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया, उसका शरीर नोचा और महिला को निर्वस्त्र कर सडक़ पर छोडक़र फरार हो गए। आरोपी महिला के कपड़े भी साथ में ले गए।

सडक़ पर निर्वस्त्र पड़ी महिला ने जब लोगों से मदद मांगी तो लोग उसे पागल समझने लगे। इस दौरान एक राहगीर ने उसकी आपबीती सुनी और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अपनी जीप के सीट कवर से पीड़िता का शरीर ढका और उसे थाने लेकर गए। इसके बाद महिला सिपाही के कपड़े मंगवाकर उसे दिए। पुलिस मेडिकल के लिए पीड़िता को लेकर अस्पताल पहुंची।

मामले की गंभीरता को देखते हुए भीलवाड़ा से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विमल सिंह नेहरा मौके पर पहुंचे। पुलिस को घटनास्थल से आपत्तिजनक सामग्री भी मिली है, जिसे जब्त कर लिया है। पुलिस का कहना है कि महिला का अपहरण करने वाले नशे में थे।

इसरो के आदित्य-एल1 ने सूर्य की तरफ बढ़ाया अहम कदम, तीसरी कक्षा में किया प्रवेश

चेन्नई ,(एजेंसी)। सूर्य अध्ययन के लिए भेजे गये भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पहले सौर खोजी मिशन आदित्य-एल1 ने सफलतापूर्वक तीसरी कक्षा में प्रवेश कर लिया है। इसरो ने बताया कि रविवार तडक़े 0230 बजे इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) ने आदित्य एल 1 सफलतापूर्वक अगली कक्ष में पहुंचाया।

अभियान के दौरान मॉरीशस, बेंगलुरु, एसडीएससी-शार और पोर्ट ब्लेयर में इसरो के ग्राउंड स्टेशनों ने उपग्रह पर नजर बनाये रखी गई। उन्होंने बताया कि नयी कक्ष 296 किमी गुणा 71767 किलोमीटर है। अगली चौथी कक्ष में प्रवेश के लिए 15 सितंबर तडक़े दो का समय निर्धारित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि भारत ने दो सितम्बर को अपने पहले सूर्य मिशन आदित्य एल1 को सूर्य और अंतरिक्ष के अध्ययन के लिए प्रक्षेपित किया था। यह सूर्य मिशन पृथ्वी के सबसे नज़दीक इस तारे की निगरानी करेगी और सोलर विंड जैसे अंतरिक्ष के मौसम की विशेषताओं का अध्ययन करेगा।

79 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

ऋषिकेश। दरबार बाबा मोहित में रविवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में 79 लोगों ने रक्तदान किया। लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित भी किया गया। शिविर के कॉर्डिनेटर डॉ. राजे नेगी ने कहा कि दरबार बाबा मोहित का संकल्प जीते-जीते रक्तदान एवं मरने के बाद नेत्रदान करने का है। यह संकल्प जीवन में प्रत्येक व्यक्ति को लेना चाहिए। संस्थान के संस्थापक डॉ. बाबा मोहित ने कहा कि दरबार में हर चार माह बाद स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता रहेगा।

यूकेडी ने चलाया सदस्यता अभियान

ऋषिकेश। आगामी चुनाव को देखते हुए उत्तराखंड क्रांति दल ने सदस्यता अभियान तेज कर दिया है। रविवार को ऋषिकेश के विभिन्न वार्डों से युवाओं ने यूकेडी की सदस्यता ली। उन्हें क्षेत्रीय दलों की अहमियत से रूबरू करवाया गया। उत्तराखंड क्रांति दल ऋषिकेश महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र दत्त नौटियाल की अध्यक्षता में तीर्थनगरी में यूकेडी का सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है।

डीएमके ने इंडिया का नाम बदलने की योजना को दिखाई लाल झंडी

चेन्नई ,(एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन उस समय प्रतिक्रिया देने वाले पहले लोगों में से थे, जब यह पता चला कि जी20 प्रतिनिधियों को दिया गया निमंत्रण पारंपरिक प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया के बजाय प्रेसीडेंट ऑफ भारत की ओर से था।

इसे केंद्र सरकार द्वारा देश का नाम इंडिया से बदलकर भारत करने का कदम माना गया। स्टालिन ने कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद से पिछले नौ वर्षों में, देश के प्रति नरेंद्र मोदी सरकार का एकमात्र योगदान शायद नाम को इंडिया से बदलकर भारत करने का विचार है।तमिलनाडु पर शासन कर रही डीएमके कई मुद्दों पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के साथ टकराव की स्थिति में है।स्टालिन ने सोशल मीडिया पर यह भी कहा कि विपक्षी गुट ने अपने गठबंधन का नाम इंडिया रखा है और इस नाम ने भाजपा को परेशान कर दिया है, इसके कारण वह देश का नाम बदलने पर विचार कर रही है।

एक माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर एक पोस्ट में स्टालिन ने कहा, ऐसा लगता है कि बीजेपी इंडिया नामक एक शब्द से परेशान है। वे विपक्ष के भीतर एकता की ताकत को पहचानते हैं। चुनाव के दौरान इंडिया बीजेपी को सत्ता से बाहर कर देगी। इंडिया, इंडिया ही रहेगा

डीएमके के उप महासचिव और थूथुकुडी से सांसद कनिमोझी करुणानिधि, जो मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की बहन भी हैं ने कहा कि आरएसएस पूरे देश के लिए एजेंडा तय कर रहा है।

उन्होंने कहा कि गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के बजाय गवर्नमेंट ऑफ भारत का उपयोग अभूतपूर्व था और इस तरह के राजनीतिक कदम का कोई कारण नहीं था।

जी 20: जिस 'मोदी विजन' की विपक्ष ने आलोचना की, वही दुनिया को एक साथ लाने का कारण बन गया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2014 से ही 'सबका साथ, सबका विकास' को अपनी राजनीति का मूल मंत्र मानते रहे हैं। बाद में उन्होंने इसमें 'सबका विश्वास' और 'सबका प्रयास' शब्द भी जोड़ दिया। यह 'मोदी विजन' केंद्र सरकार की सभी लोक कल्याणकारी योजनाओं का आधार भी बना। जब केंद्र सरकार की योजनाओं में जाति, धर्म या संप्रदाय के भेदभाव के बिना हर वर्ग के लोगों को राशन, प्रधानमंत्री आवास, स्वास्थ्य सुविधा, पेंशन या किसानों की आर्थिक सहायता पहुंचाई गई, तब इसे पीएम के सबके विकास के मूल मंत्र से जोड़कर ही देखा गया।

मोदी की राजनीति का यह मूल मंत्र हमेशा से विपक्ष के निशाने पर रहा। उसने आरोप लगाया कि सरकार सबके साथ और सबके विकास में विश्वास नहीं रखती। लेकिन विपक्ष के निशाने पर रहा यही मोदी मंत्र अब जी 20 के मंच पर सबको एक साथ लाने का आधार भी बनकर सामने आया।

स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी 20 में दिए अपने उद्बोधन में कहा कि आज पूरी दुनिया एक परिवार है। सबके हित एक दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय वातावरण को सबके लिए अच्छा तभी बनाया जा सकता है जब सभी इसे अपना साझा हित मानें। इस कार्य को किसी एक के बल पर पूरा भी नहीं किया जा सकता। यह लक्ष्य हासिल करने के लिए सबकी भागीदारी भी आवश्यक है।

मोदी का यह विजन पहली बार वैश्विक गूंज के साथ जी 20 के नई दिल्ली घोषणा पत्र में सामने आया। लेकिन इसके पहले भी उनके इन स्वरों को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल चुकी है। जब यूक्रेन युद्ध के दौरान उन्होंने कहा था कि आज का समय युद्ध का समय नहीं है, तब स्वयं युद्ध प्रभावित यूक्रेन के साथ-साथ अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी इसे एक बेहद उपयोगी मूल्यवान विचार माना था। इसे भी मोदी विजन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गूंज के तौर पर देखा गया था।

पूरी दुनिया का तापमान आश्चर्यजनक तरीके से बढ़ रहा है। इसके दुष्परिणाम के रूप में कहीं भारी सूखा तो कई शहरों में अचानक भारी बारिश की घटनाएं बढ़ी हैं। जहां कभी भारी बारिश होती थी, वहां सूखा और सूखे वाले स्थानों पर बारिश होने से वैश्विक पर्यावरणीय संतुलन बुरी तरह गड़बड़ाया है। इन सबके मूल में पर्यावरण को हो रहे नुकसान को माना गया है।

पर्यावरण वैज्ञानिक इसके कारण भविष्य में बड़ा संकट आता हुआ महसूस कर रहे हैं। इससे बचने के लिए जिन उपायों की चर्चा हो रही है, उसके संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरी पृथ्वी को एक परिवार मानकर सबको पर्यावरणीय स्वच्छता हासिल करने में अपनी भागीदारी देने की बात करते रहे हैं। जी 20 में इसे लेकर गंभीर चर्चा हुई है और इसके प्रस्ताव में भी यह मोदी विजन साफ नजर आया।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ल ने अमर उजाला से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच हमेशा से मानव मात्र के कल्याण की रही है। 'सबका साथ, सबका विकास' का उनका मूल मंत्र भारत की सनातन 'वसुधैव कुटुंबकम' सोच को प्रतिबिंबित करता है। जिस समय वैचारिक भेदभाव में अनेक देश अलग-अलग रास्ता अपना रहे थे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक परिवार के रूप में सबको सोचने और साथ आने के लिए प्रेरित किया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के सहारे सबने यह समझा है कि आज पूरी दुनिया का हित एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। और पूरी दुनिया की भलाई इसी में है कि सभी लोग साथ आकर काम करें। यह भारत की सनातन संस्कृति की सोच की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता है जिस पर हर भारतवासी को गर्व है।

लालू यादव झारखंड में राजद की 'खोई प्रतिष्ठा' को फिर से समेटने में जुटे, देवघर से बड़ा संदेश देने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजनीति के खेल में बाजी को पलटने में माहिर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव एक बार फिर से राष्ट्रीय राजनीति की धुरी में है। मुंबई में आईएनडीआईए की बैठक के बाद लालू यादव और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री व उनकी धर्मपत्नी राबड़ी देवी ने अरसे बाद देवघर की धरती पर कदम रखा है।

सोमवार को बाबा बैद्यनाथ की पूजा के बाद वह फौजदारी दरबार में भी हाजिरी लगाएंगे। रविवार को देवघर एयरपोर्ट पर राजद के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने जिस अंदाज में लालू प्रसाद की आगवानी की है, वह आने वाले दिनों में झारखंड की राजनीतिक जमीन पर उठा-पटक का सीधा संदेश है। दरअसल, लालू प्रसाद यादव को इस बात की बखूबी जानकारी है कि झारखंड की जमीन पर कभी राजद का दबदबा था। अखंड बिहार में इस क्षेत्र से 14 विधायक और फिर वर्ष 2000 में अलग झारखंड राज्य के गठन के समय राजद के नौ विधायक हुआ करते थे। पलामू, चतरा व कोडरमा लोकसभा सीट पर राजद का ही दबदबा था। राज्य गठन के बाद पहली बार जब साल 2005 में विधानसभा का चुनाव हुआ तो राजद के सात विधायक चुनाव जीते थे, जिसमें अभी मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी भी शामिल थीं।

2005 में चुनाव जीतने वाले राजद विधायकों की सूची में गिरिनाथ सिंह, रामचंद्र चंद्रवंशी, रामचंद्र सिंह, प्रकाश राम, उदयशंकर सिंह और बलदेव हाजरा जैसे चेहरे थे। संताल परगना में देवघर, गोड्डा और सारठ विधानसभा से राजद के विधायक रहे हैं। संजय प्रसाद यादव गोड्डा से दो बार विधायक बने तो सुरेश पासवान भी देवघर से विधायक और हेमंत सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे। इसके अलावा उदयशंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह सारठ से विधायक चुने गए थे। वर्तमान में संजय प्रसाद यादव और सुरेश पासवान संताल परगना में राजद के चेहरा हैं, जिस पर पार्टी अभी भी दांव खेलती है। हालांकि, झारखंड में वर्ष 2009 के चुनाव में राजद के पांच ही विधायक चुने गए थे।

कोडानाड हत्या और डकैती मामले में आरोपियों के परिजनों का दावा, अन्नाद्रमुक नेता हैं शामिल

चेन्नई ,(एजेंसी)। कुख्यात कोडानाड हत्या और डकैती मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। प्रथम आरोपी के भाई ने पार्टी महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) और अन्य नेताओं के एक समूह सहित अन्नाद्रमुक नेताओं के खिलाफ आरोप लगाए हैं।

सडक़ दुर्घटना में मारे गए पहले आरोपी सी. कनगराज के भाई सी. धनबल ने आरोप लगाया कि कोडनाड मामले में अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता शामिल थे।एआईएडीएमके सलेम उप जिला सचिव आर. एलंगोवन ने कुछ अन्य पार्टी पदाधिकारियों के साथ पुलिस से शिकायत की कि धनबल द्वारा कोडनाड मामले में उनका नाम घसीटा गया है।इलांगोवन ने कहा कि धनबल को पहले कोडनाड मामले में सबूत नष्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और वह उनके (एलंगोवन) खिलाफ झूठे आरोप लगा रहे है।

सम्पादकीय

आखिर कितना लाभदायक "एक चुनाव"

क्या देश में एक साथ चुनाव करना तर्कसंगत है या फिर सरकार इसमें अपना कोई राजनीतिक हित तलाश रही है? असल में हमारे देश की चुनाव कराने की प्रक्रिया इतनी महंगी एवं जटिलहै कि अलग–अलग तरह से चुनाव करना काफी महंगा साबित होता है। कारण है कि देश में एक देश एक चुनाव का मुद्दा गरमा रहा है और इसके लिए केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति का गठन भी कर दिया है। यहां यह बात समझनी होगी कि एक साथ चुनाव कराने का मतलब लोकसभा एवं विधानसभा के चुनाव एक साथ करने से है और यह तभी संभव होगा जब इसके लिए बुनियादी स्तर पर मजबूत व्यवस्था क्रियाशील होगी। यह नया फार्मूला एक ही दिन में दोनों चुनाव नहीं कराएगा बल्कि एक निश्चित अवधि तय की जाएगी जो 10 से 15 दिन की हो सकती है और इसमें विभिन्न चरणों में लोकसभा एवं विधानसभा के चुनाव कराए जाएंगे। हालांकि देश के लिए यह कोई नई व्यवस्था नहीं है बल्कि इससे पूर्व भी एक साथ चुनाव कराई जा चुके हैं लेकिन 1967 के बाद या व्यवस्था आगे नहीं बढ़ी। एक देश एक चुनाव के फार्मूले पर अधिकांश लोगों की राय बनती हुई नजर आ रही है और यदि ऐसा हुआ तो जिन राज्यों में लोकसभा के 6 महीने बाद चुनाव होने हैं उनके चुनाव लोकसभा के साथ ही कर लिए जाएंगे और चुनाव परिणाम उक्त विधानसभा की पूरी अवधि समाप्त होने के बाद घोषित किए जाएंगे। और प्रश्न यह उठता है कि क्या वाकई एक साथ चुनाव कराने से देश को कोई लाभ होगा। निश्चित तौर पर चुनाव के दौरान विकास कार्य विवादित होते हैं क्योंकि आचार संहिता के तहत कार्यों पर विराम लगाना पड़ता है। विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में लगभग एक समान खर्चा ही होता है। संसदीय चुनाव का खर्चा केंद्र सरकार उठती है जबकि विधानसभा चुनाव का खर्च राज्य सरकार के खाते में आता है। एक साथ चुनाव कराने से उक्त दोनों प्रक्रिया में खर्चा बराबर बढ़ सकता है। नहीं सबसे बड़ा फायदा चुनाव कर्मियों को लेकर होगा जिस्म अलग–अलग व्यवस्थाएं नहीं करनी पड़ेगी और एक साथ ही लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव उक्त चुनाव कर्मियों की उपस्थिति में संपन्न कराए जा सकते हैं। निश्चित तौर पर इस फार्मूले पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है क्योंकि ऐसे समय में जब भारत एक बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है उसमें कुछ व्यवस्थाएं ऐसी करनी होगी जिससे ना खबर केवल पैसा बच्चे बल्कि एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया भी लोकतंत्र का हिस्सा बन सके। विपक्ष की राय जरूर इस मुद्दे पर अलग हो सकती है और यही वह पक्ष है या सरकार को आपसी समन्वय एवं सहयोग से सभी को एक मत करते हुए इस फार्मूले को कसौटियों पर उतरना होगा।

दलाई लामा का कहां होगा पुर्नजन्म ?

तिब्बती समुदाय उनके उत्तराधिकार के मुद्दे पर तनाव में है। चीन का कहना है कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा, इसका निर्णय वह करेगा जैसा कि चीन के अंतिम राजवंश चिंग के सम्राट किया करते थे। चीन ने दलाई लामा के उत्तराधिकारी की तलाश के लिए एक समानांतर प्रक्रिया शुरू कर दी है। तिब्बतियों का मानना है कि चीन वही करने जा रहा है जो उसने सन 1995 में तिब्बतियों के आध्यात्मिक नेता के रूप में पंचेम लामा को नियुक्त कर किया था। निर्वासित तिब्बतियों का कहना है कि अधिकांश तिब्बती पंचेम लामा को मान्यता नहीं देते। श्रद्धालु तिब्बतियों का मानना है कि कुछ विशिष्ट सिद्धियाँ प्राप्त लामाओं का पुनर्जन्म तुल्कू के रूप में होता है। वे ही लामा के अवतार होते हैं। और इसलिए केवल दलाई लामा को उनका उत्तराधिकारी चुनने का हक़ है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के लिए यह महत्वपूर्ण है कि उत्तराधिकार की प्रक्रिया बिना किसी लफड़े–झगड़े के निपट जाए ताकि करीब 70 लाख तिब्बतियों पर उसका राजनैतिक नियंत्रण बना रहे और चीन के उस क्षेत्र, जिसकी सीमाएं कई देशों से मिलतीं हैं, में स्थिरता बनी रहे।

श्रुति व्यास

पिछले हफ्ते दलाई लामा 88 साल के हो गए। इस मौके पर काफी लोग इक्ा हुए, जिनमें कई जाने–माने व्यक्ति शामिल थे। हिज होलीनेस ने अपने भक्तों, अनुयायियों, हितचिंतकों और चीन को भी यह भरोसा दिलाया कि उनका इरादा कम से कम 113 साल जीने का है और वे पुनः अवतार लेंगें या नहीं, इस मसले पर वे दो साल बाद, जब वे 90 साल के हो जाएंगे, विचार करेंगे। उन्होंने कहा, "मैं आने वाले कुछ और दशकों तक सभी की सेवा करने के लिए संकल्पित हूँ।" वे कमज़ोर हो गए हैं और उन्हें चलने के लिए तीन भिक्षुकों का सहारा लेना पड़ता है परन्तु वे अब भी मज़ाक करते हैं। उन्होंने कहा कि उनके सभी दांत बाकी हैं!

परन्तु उनकी हर वर्षगांठ के साथ उनके उत्तराधिकार का मसला और जटिल, और रहस्यपूर्ण होता जा रहा है। तिब्बती निर्वासित समुदाय और चीन का नेतृत्व उनकी मृत्यु की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है। एआई, चंद्रयान और मंगल ग्रह पर लैंड करने के मानवता के इरादों के इस दौर में पुनर्जन्म की बात करना अजीब सा लगता है परन्तु चीन और स्वयं को नास्तिक बताने वाली चीन की कम्युनिस्ट पार्टी, बौद्धों की आत्माओं के पुनर्जन्म का प्रबंधन करने के लिए आतुर और संकल्पित है। वे तिब्बत को चीन का हिस्सा बनाकर तिब्बती बौद्ध धर्म पर अपना नियंत्रण स्थापित करने के लिए तैयार हैं। और इस खींचतान व रहस्यात्मकता के कारण पूरी दुनिया इस मसले को दिलचस्पी से देख रही है।

चीन इस समय जितना ताकतवर है, उतना इतिहास में कभी नहीं था। वह तिब्बत और उसकी संस्कृति को धीमी मौत मार रहा है। अब भी जो 60–70 लाख तिब्बती तिब्बत में रह रहे हैं, उन पर चीन का शासन कठोर होता जा रहा है। तिब्बत में चीन ने अरबों डॉलर का निवेश तो किया है परन्तु इसके साथ ही तिब्बती संस्कृति और धर्म को योजनाबद्ध ढंग से खत्म भी कर रहा है।

तिब्बत में आनेजाने की आज़ादी और संचार के माध्यमों पर कड़ी रोकें लगाई जा रही हैं। करीब 10 लाख तिब्बती बच्चे अपने घर से दूर, चीनी बोर्डिंग स्कूलों में पढने् पर मजबूर हैं। यह डर है कि उनकी अपनी भाषा जल्द ही गायब हो जाएगी।

करीब 1.5 लाख तिब्बती दूसरे देशों में रह रहे हैं। उनकी नई पीढी के साथ यह डर बढ़ता जा रहा है कि वे अपनी पहचान और एकता खो बैठेगें। कारण यह कि दूसरे देशों में जन्में और पले–बढे बच्चों को अपनी मातृभूमि की कोई याद नहीं है। इस सब के बीच, दलाई लामा तिब्बतियों के लिए आशा और सुरक्षा के स्त्रोत हैं। वे पहले दलाई लामा के 14वें अवतार हैं। वे कितने समय से तिब्बतियों का नेतृत्व कर रहे हैं यह इससे साफ़ है कि इस दौरान अमरीका में 15 राष्ट्रपतियों का कार्यकाल पूरा हो चुका है।74 साल पहले, जब पीपल्स रिपब्लिक ऑफ़ चाइना का जन्म हुआ था, तब भी वे तिब्बतियों के पूजनीय थे। अपने पूर्व अवतारों के जरिये वे तिब्बतियों को उनके प्राचीन इतिहास से जोड़े हुए हैं।

तिब्बती समुदाय उनके उत्तराधिकार के मुद्दे पर तनाव में है। चीन का कहना है कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा, इसका निर्णय वह करेगा जैसा कि चीन के अंतिम राजवंश चिंग के सम्राट किया करते थे। चीन ने दलाई लामा के उत्तराधिकारी की तलाश के लिए एक समानांतर प्रक्रिया शुरू कर दी है। तिब्बतियों का मानना है कि चीन वही करने जा रहा है जो उसने सन 1995 में तिब्बतियों के आध्यात्मिक नेता के रूप में पंचेम लामा को नियुक्त कर किया था। निर्वासित तिब्बतियों का कहना है कि अधिकांश तिब्बती पंचेम लामा को मान्यता नहीं देते। श्रद्धालु तिब्बतियों का मानना है कि कुछ विशिष्ट सिद्धियाँ प्राप्त लामाओं का पुनर्जन्म तुल्कू के रूप में होता है। वे ही लामा के अवतार होते हैं। और इसलिए केवल दलाई लामा को उनका उत्तराधिकारी चुनने का हक़ है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के लिए यह महत्वपूर्ण है कि उत्तराधिकार की प्रक्रिया बिना किसी लफड़े–झगड़े के निपट जाए ताकि करीब 70 लाख तिब्बतियों पर उसका राजनैतिक नियंत्रण बना रहे और चीन के उस क्षेत्र, जिसकी सीमाएं कई देशों से मिलतीं हैं, में स्थिरता बनी रहे।

अगर उत्तराधिकार की प्रक्रिया में विवाद होते हैं या 15वां दलाई लामा, बीजिंग की हाँ में हाँ मिलाने वाला नहीं होता, तो चीन को तिब्बत के इतिहास के अपने संस्करण को मान्यता दिलवाने में परेशानी होगी। जहाँ तक तिब्बतियों का सवाल है, दो दलाई लामा होने से उनकी परेशानियाँ और बढ़ जाएंगीं।

दलाई लामा ने साफ़ कर दिया है कि उनके पुनः अवतार लेने में चीन की कोई भूमिका नहीं होगी। सन 2011 में एक बयान में उन्होंने कहा था कि जब वे करीब 90 साल के हो जाएंगे (और यही बात उन्होंने अपनी 88वीं वर्षगांठ पर दोहराई) तब वे शीर्ष लामाओं, तिब्बत के लोगों और तिब्बती बौद्ध धर्म के अन्य अनुयायियों के साथ चर्चा कर तय करेंगे कि दलाई लामा की संस्था का अस्तित्व बना रहना चाहिए या नहीं। करीब 28 साल पहले दलाई लामा ने तिब्बत में एक पुनःअवतरित लामा की पहचान की थी। वो दिन है और आज का दिन है, उस समय छह साल के पंचेम लामा का कुछ पता नहीं है। चीन ने उस लडक़े की जगह

अपनी पसंद के 33 साल के एक आदमी को लामा घोषित कर दिया। इस लामा की शानोशौकत में कोई कमी नहीं है परन्तु उसके समर्पित अनुयायिओं की संख्या बहुत कम है। अब वही लामा चीन की पसंद के दलाई लामा को गद्दी पर बैठाने में मुख्य भूमिका अदा करेगा।

पंचेम लामा के साथ जो हुआ, उसे देखते हुए दलाई लामा ने यह घोषित कर दिया है कि वे तिब्बत में पुनर्जन्म नहीं लेंगे। पूरी दुनिया से उनके भक्तगण धर्मशाला आकर उनसे अपने–अपने देशों में पुनर्जन्म लेने की प्रार्थना कर रहे हैं। दलाई लामा का उन्हें जवाब होता है, "भाई, मैं एक आत्मा हूँ।

मैं कितनी जगह जन्म ले सकता हूँ" इस बीच दलाई लामा का बहुत समय लद्दाख में बीत रहा है। इससे ऐसी अटकलें लगाई जा रहीं हैं कि शायद अगला दलाई लामा वहीं खोज लिया जायेगा। अगर ऐसा हुआ तो चीन आगबबूला हो जायेगा। इससे ऐसा भी लगेगा कि भारत, जो तिब्बत के मुद्दे पर सोच–समझकर चुप्पी साधे हुए हैं, टकराव की मुद्रा में आ गया है। इस सिलसिले में सबसे भडक़ाऊ यह हो सकता है कि नया दलाई लामा लद्दाख के काफी ऊंचाई पर स्थित शहर तवांग में मिल जाए जहाँ भारत का सबसे बड़ा बौद्ध मठ है और जहाँ 1683 में छटवें दलाई लामा जन्में थे।

इसमें कोई संदेह नहीं कि दलाई लामा की मृत्यु के बाद उनके उत्तराधिकारी का चयन अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में एक बड़े टकराव का सबब बन सकता है, जो भारत और केवल भारत के लिए बहुत जोखिम भरा होगा। दोनों देशों के बीच पहले से ही सीमा विवाद है और अगर चीन और भारत में दो प्रतिद्वंदी दलाई लामा होंगे तो इससे दोनों के बीच तनाव और बढेगा। दलाई लामा के उत्तराधिकार की लड़ाई में धार्मिक पवित्रता कम होगी और विवाद ज्यादा।

महात्मा गांधी मजबूरी हैं

हरिशंकर व्यास

पिछले कुछ बरसों में पंडित जवाहर लाल नेहरू के साथ साथ जिस महान हस्ती को विलेन बनाने की कोशिश की गई है वह महात्मा गांधी हैं। सोशल मीडिया में सक्रिय ट्रोल ब्रिगेड जितनी नफरत नेहरू से करता है उतनी ही या कई बार उससे ज्यादा महात्मा गांधी से करता है। तभी यह अनायास नहीं है कि पिछले कुछ बरसों में गांधी की जयंती या पुण्यतिथि के मौके पर ट्विटर के ऊपर गांधी से ज्यादा नाथूराम गोडसे ट्रेंड करता है। हिंदुत्व से जुड़े संगठनों के कई नेता गोडसे को देशभक्त ठहरा चुके हैं। कई जगह गोडसे की मूर्तियां लगाए जाने की खबरें आईं। किसी न किसी तरह से गांधी के बरक्स गोडसे को स्थापित करने की कोशिश हो रही है।

सरकारी स्तर पर अलग ही काम चल रहा है। सरदार वल्लभ भाई पटेल और नेताजी सुभाष चंद्र बोस को कांग्रेस से अलग आजादी का महानायक बनाने की कोशिश हो रही है। वे आजादी के महानायक हैं लेकिन उनको कांग्रेस से अलग किया जा रहा है और साथ ही गांधी और नेहरू से भी अलग किया जा रहा है। तभी गुजरात के केवडिया में नर्मदा के किनारे दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति बनी तो वह सरदार पटेल की बनी और इंडिया गेट पर जॉर्ज पंचम की मूर्ति हटाने से खाली हुई कैनोपी में जो मूर्ति लगी वह नेताजी सुभाष चंद्र बोस की थी। हालांकि उसके बाद से ध्यान नहीं है कि नेताजी के सम्मान में कोई कार्यक्रम हुआ या कोई विदेशी मेहमान आया तो उसे नेताजी की मूर्ति के दर्शन कराए गए। इस बीच नेताजी के पोते चंद्र बोस ने यह कहते हुए भाजपा से इस्तीफा दे दिया है कि भाजपा को नेताजी के विचारों से कोई वास्ता नहीं है। बहरहाल, नौ साल में पटेल और नेताजी की मूर्ति लगी और मान लिया गया कि गांधी के नाम पर पहले जो हो गया है सो हो गया है। इस सरकार ने उनके नाम पर कुछ नया करने की नहीं सोची। लेकिन क्या करें, अंतरराष्ट्रीय समुदाय में गांधी नायक हैं और उनके नाम से देश को सम्मान व स्वीकार्यता मिलती है। तभी गांधी मजबूरी बन गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के किसी भी देश में जाएं तो वहां उनको गांधी के देश का नेता माना जाता है। वहां भी गांधी की मूर्तियों पर फूल चढ़ाना पड़ता है और जब दुनिया के किसी देश का नेता भारत आता है तो वह भी गांधी की समाधि पर फूल चढ़ाने जाता है। जी–20 के शिखर सम्मेलन का एक बड़ा आयोजन गांधी समाधि पर होना है। शिखर सम्मेलन का एजेंडा वन अर्थ, वन फैमिली और वन फ्यूचर है, जो गांधी का जीवन दर्शन रहा है। वे हमेशा मानते रहे कि धरती को बचाना है तभी राष्ट्र और धरती बचेंगे। उनका यह कहा मशहूर है कि पृथ्वी हर व्यक्ति की जरूरतों के लिए पर्याप्त है लेकिन एक व्यक्ति के भी लालच के लिए कम पड़ेगी। यही तो 'वन अर्थ' का कांसेप्ट है, जिस पर जी–20 में चर्चा होनी है। लेकिन दुर्भाग्य से गांधी के देश में न तो धरती बचाने की कोई पहल हो रही है और न परिवार व समाज बचाने की।

प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के किसी भी देश में जाएं तो वहां उनको गांधी के देश का नेता माना जाता है। वहां भी गांधी की मूर्तियों पर फूल चढ़ाना पड़ता है और जब दुनिया के किसी देश का नेता भारत आता है तो वह भी गांधी की समाधि पर फूल चढ़ाने जाता है। जी–20 के शिखर सम्मेलन का एक बड़ा आयोजन गांधी समाधि पर होना है। शिखर सम्मेलन का एजेंडा वन अर्थ, वन फैमिली और वन फ्यूचर है, जो गांधी का जीवन दर्शन रहा है। वे हमेशा मानते रहे कि धरती को बचाना है तभी राष्ट्र और धरती बचेंगे। उनका यह कहा मशहूर है कि पृथ्वी हर व्यक्ति की जरूरतों के लिए पर्याप्त है लेकिन एक व्यक्ति के भी लालच के लिए कम पड़ेगी। यही तो 'वन अर्थ' का कांसेप्ट है, जिस पर जी–20 में चर्चा होनी है। लेकिन दुर्भाग्य से गांधी के देश में न तो धरती बचाने की कोई पहल हो रही है और न परिवार व समाज बचाने की।

जिस समय पूरी दुनिया को एक परिवार मान कर जी–20 के देश 'वन फैमिली' पर चर्चा करने वाले हैं उसी समय इस देश के एक छोटे से राज्य मणिपुर में ऐसा भयंकर जातीय विभाजन है कि कुकी और मैती एक दूसरे के खून के प्यासे हो रहे हैं। केंद्र सरकार की तरफ से वहां शांति बहाली का कोई गंभीर प्रयास नहीं हुआ है।

मणिपुर तो एक मिसाल है। पूरे देश में किसी न किसी तरह के विभाजन को बढ़ावा दिया जा रहा है। राजनीतिक लाभ के लिए जातीय व सांप्रदायिक विभाजन को बढ़ावा दिया जा रहा है। लेकिन विरोधाभास और दोहरापन देखिए जो प्रधानमंत्री दुनिया को एक परिवार मानने पर चर्चा कर रहे है! भारत ऐतिहासिक रूप से बहुलता और विविधता को संजो कर उसमें एकता बनाने वाला देश रहा है लेकिन अब उस विविधता को विभाजन का कारण बनाया जा रहा है। पूरी दुनिया के एक परिवार मानने से पहले भारत खुद सभी समुदायों को एक परिवार मान व्यवहार बनाएं तभी तो ऐसे एजेंडे की सार्थकता होगी। क्या नहीं?

विशेष सत्र का गोपनीय एजेंडा !

अब यह साफ हो गया है कि संसद का विशेष सत्र शुरू होने से एक–दो दिन पहले तक सरकार इसक एजेंडा गोपनीय रखेगी। सोनिया गांधी की चिी के जवाब में संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने लिखा है कि सब कुछ परंपरा और नियम के हिसाब से हो रहा है। हर बार सरकार सत्र से पहले सभी दलों की बैठक बुलाती है, जिसमें एजेंडा बताया जाता है। इस बार भी ऐसा ही किया जाएगा। हालांकि जब नियमित सत्र होते हैं तब के लिए यह बात ठीक है कि सरकार दो दिन पहले एजेंडा बताती है। लेकिन जब विशेष सत्र बुलाया गया है तो जाहिर है कि उसमें रूटीन के काम नहीं होने हैं। किसी खास मकसद से सत्र बुलाया गया है तो उसका एजेंडा पहले बताया जाना चाहिए। लेकिन ऐसा लग रहा है कि सरकार हर चीज को गोपनीय रखने और एकदम से लोगों को चौंका देने के अपवाद को अपने कामकाज का नियम बना लिया है।

बहरहाल, जानकार सूत्रों का कहना है कि संसद के विशेष सत्र में कोई विधेयक नहीं पेश किया जाएगा। विपक्ष को दो बातों की चिंता है। पहली बात तो यह कि क्या सरकार एक देश, एक कानून का बिल ला सकती है? लेकिन इसकी कोई संभावना नहीं है। क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में जो कमेटी बनी है उसकी एक भी बैठक नहीं हुई है।

पहले सदस्यों की औपचारिक बैठक होगी। उसमें उस मकसद पर चर्चा होगी, जिसके लिए कमेटी बनाई गई है। उसके बाद राज्यों, राजनीतिक दलों, चुनाव आयोग, सिविल सोसायटी आदि से सलाह–मशविरा होगा। पहली बैठक जी–20 शिखर सम्मेलन के बाद ही होगी। सो, यह संभावना नहीं है कि कमेटी 18 सितंबर तक कोई रिपोर्ट दे पाएगी।

दूसरी चिंता यह है कि संविधान में संशोधन करके देश का नाम सिर्फ भारत रखने का फैसला हो सकता है। लेकिन यह भी नहीं होना है। जानकार सूत्रों का कहना है कि सरकार इंडिया और भारत दोनों नाम रखने के पक्ष में है लेकिन भारत का ज्यादा इस्तेमाल किया जाएगा। नाम का विवाद शुरू होने के बाद केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि इंडिया, भारत या हिंदुस्तान कहिए पर हमारे खिलाड़ी ढेर सारे पदक जीत कर लाएंगे। यह एक संकेत है इस बात का कि सरकार नाम नहीं बदलने वाली है। दोनों सदनों की साझा बैठक की भी कोई योजना नहीं है।

अब रही बात कि विशेष सत्र में क्या हो सकता है? जानकार सूत्रों के मुताबिक कोई विधेयक लाने की बजाय सरकार की ओर से तीन या चार प्रस्ताव पेश किए जा सकते हैं। उन प्रस्तावों पर चर्चा के बाद ध्वनिमत से उन्हें पास कराया जाएगा। पहला प्रस्ताव जी–20 के सफल आयोजन के लिए प्रधानमंत्री मोदी के अभिनंदन का हो सकता है।

दूसरा प्रस्ताव चंद्रयान–तीन की सफलता का हो सकता है। उसमें इसरो को वैज्ञानिकों के साथ साथ मोदी और सरकार की सराहना की जाएगी। तीसरा प्रस्ताव 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प का हो सकता है। इस पर प्रधानमंत्री मोदी विस्तार से बोल सकते हैं। इससे अगले चुनाव का एजेंडा तय हो सकता है। ऐसा भी कहा जा रहा है कि एक प्रस्ताव पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को लेकर भी हो सकता है और एक प्रस्ताव चीन की निंदा का भी हो सकता है। लेकिन ये सारी अटकलें हैं।

फेफड़े मजबूत करने के लिए खाएं ब्रोकोली, सांस संबंधी बीमारियों से मिलेगा छुटकारा

सांस संबंधी बीमारियां आज के समय में बहुत आम हो गई हैं. प्रदूषण, धूम्रपान, व्यस्त जीवनशैली जैसे कारणों से अस्थमा, ब्रोन्काइटिस, खांसी, सांस की तकलीफ जैसी समस्याएं हमें परेशान करती रहती हैं. ऐसे में, कुछ ऐसे फूड्स खाना बेहद जरूरी हो जाता है जो हमारे फेफड़ों को स्वस्थ रखें और हमें इन तकलीफों से छुटकारा दिला सके. ब्रोकोली को सुपरफूड कहा जाता है. ब्रोकोली में कई ऐसे गुण और पोषक तत्व पाए जाते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक होते हैं. खासकर, ब्रोकोली सांस संबंधी समस्याओं जैसे कि अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, खांसी–जुकाम आदि से राहत प्रदान करने में बहुत ही प्रभावी साबित होता है.

वायु प्रदूषण के हानिकारक तत्वों को रोकता है

वायु प्रदूषण आज एक गंभीर समस्या बन चुका है और यह हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल रहा है. विशेषकर, वायु प्रदूषण से हमारे फेफड़ों पर बहुत बुरा असर पड़ रहा है।.ऐसे में, ब्रोकोली जैसी सब्जियां वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों से बचाव करने में मदद कर सकती हैं.ब्रोकोली में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं जो फेफड़ों की कोशिकाओं को वायु प्रदूषण के कारण होने वाले नुकसान से बचाते हैं. इसके अलावा, ब्रोकोली में सल्फर भी पाया जाता है जो फेफड़ों को डिटॉक्सीफाई करने में मदद करता है. इसलिए, ब्रोकोली को अपने आहार में शामिल करना वायु प्रदूषण के खतरों से लडने् का एक प्राकृतिक और सुरक्षित तरीका है. ब्रोकोली का नियमित सेवन फेफड़ों को स्वस्थ बनाए रख सकता है.

सुधारता है सांस प्रणाली को

ब्रोकोली में भरपूर मात्रा में विटामिन सी होता है जो सांस के मार्गो की प्रतिरक्षा को बढ़ाता है. ब्रोकोली के एंटीऑक्सीडेंट फेफड़ों को सूजन और नुकसान से बचाते हैं. इस में फाइबर होता है जो फेफड़ों को साफ करता हैं और श्लेष्मा को पतला करता हैं. ब्रोकोली में सल्फर, कैल्शियम, मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व भी होते हैं जो फेफड़ों के लिए लाभदायक होते हैं. सांस की समस्याओं से बचने के लिए ब्रोकोली का सेवन कर सकते हैं.

डेली खाएं एक या दो कर ब्रोकोली

प्रतिदिन एक या दो कप उबली हुई ब्रोकोली खाना सांस से जुड़ी समस्याओं को दूर रखने का एक अच्छा तरीका है.उबली हुई ब्रोकोली में पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है, जो फेफड़ों के लिए लाभदायक होता है.ब्रोकोली के फाइबर श्लेष्मा को साफ करते हैं और खांसी–जुकाम से राहत देते हैं. इसमें सल्फर और अन्य पोषक तत्व फेफड़ों को स्वस्थ रखते हैं. इसका नियमित सेवन सीओपीडी, अस्थमा जैसी बीमारियों से बचाता है.

ज्यादा नींबू पानी पीने से शरीर को होते हैं ये नुकसान, जानें रोजाना कितने गिलास पीना चाहिए?

एकदम हेल्दी और फिट रहने के लिए हेल्थ एक्सपर्ट अक्सर ज्यादा पानी पीने की सलाह देते हैं. ज्यादा पानी पीना तो सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. शरीर को पूरे दिन हाईड्रेट बनाए रखने के लिए पूरा दिन पानी पीना फायदेमंद होता है. ऐसे में लोग नींबू का इस्तेमाल करते हैं. नींबू शरीर के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद तो होता है. साथ ही यह शरीर से गंदगी निकालने का भी काम करती है. साथ ही साथ यह चर्बी गलाने का काम भी करती है. इससे आपको मोटापा से छुटकारा मिल जाएगा. लेकिन इतना तो आपको पता है किसी भी चीज का हद से ज्यादा इस्तेमाल आपके लिए खतरनाक साबित हो सकता है. आइए जानते हैं नींबू–पानी पीना रोजाना सही है या नहीं?

बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए ऐसे करें नींबू का इस्तेमाल

वजन को कंट्रोल में रखने के लिए और शरीर को डिटॉक्स करने के लिए नींबू पानी काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है. शरीर में मौजूद जो फैट होता है उसे भी कम करता है. लेकिन कुछ लोगों को जल्दी रहती है ऐसे में वह चाहते हैं तुरंत फायदा मिले. नींबू पानी शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है. लेकिन काफी ज्यादा पीना शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है. इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर के लिए फायदेमंद होता है.

हर रोज एक गिलास से ज्यादा नींबू पानी पीने से बचना चाहिए. गर्मी हो या सर्दी कई लोग ऐसे हैं जो काफी ज्यादा नींबू–पानी का इस्तेमाल करते हैं. एक दिन में काफी ज्यादा नींबू और पानी पीना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है. इससे आपकी पाचन भी बिगाड़ सकती है. ।

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने किया उत्तराखण्ड लोक नृत्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रतिभाग

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने रविवार को हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र, गढ़ी कैंट में आयोजित उत्तराखण्ड लोक नृत्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर राज्यपाल ने जौनसारी हारूल गीत हनोल सेवा के पोस्टर का विमोचन किया। लोकगायक मीना राणा, अत्तर शाह, नरेश बादशाह और सुरेन्द्र वर्मा के सुरों में इस हारूल में प्रभु पंवार और मास्टर करन ने संगीत दिया है। सांस्कृतिक उत्सव में स्थानीय लोकगायकों एवं कलाकारों द्वारा अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। लोक कलाकारों द्वारा उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति और लोकनृत्य पर आधारित प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में लोकगायक मीना राणा, अत्तर शाह, हेमा करासी आदि ने अपने गायन से समा बांध लिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत लोक कला पूरे विश्व में एक अलग स्थान रखती है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी संस्कृति और विरासत पर गर्व है। उन्होंने कहा कि पौराणिक काल से ही यहां की लोक संस्कृति लोगों को जीने की राह दिखाती है। यहां के मेले, त्यौहार और यहां की परंपराएं बिल्कुल अलग हैं जो हमें अपनी जड़ों से जोड़ती हैं। राज्यपाल ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए अपने आने वाली पीढ़ी के लिए संजोकर रखना होगा। उन्होंने कहा कि हमारी समृद्ध संस्कृति का प्रचार–प्रसार पूरे विश्व में किया जाना बेहद जरूरी है। उन्होंने इस आयोजन में अपनी प्रस्तुतियां देने वाले सभी कलाकारों की प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनका हौंसला बढ़ाया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि उत्तराखण्ड के गौरवमयी लोक परंम्पारिक एवं पौराणिक अध्यात्मिक लोक सांस्कृतिक विरासत भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में अलग है। अनादि काल से उत्तराखण्ड की भूमि, भारतीय दर्शन, चिंतन, मनन, अध्यात्म, साधना एवं संस्कृति का केन्द्र रही है। यहां

की साहित्य कला एवं संस्कृति ने वर्षों से भारतीय संस्कृति को परिष्कृत किया है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने संस्कृति विभाग द्वारा सांस्कृतिक कलाकारों के प्रोत्साहन हेतु चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी।

शिखर फॉल में स्वच्छता अभियान चलाया

देहरादून। यूबीटी केयर फाउंडेशन ने रविवार को शिखर फॉल में स्वच्छता अभियान चलाया। संस्था प्रत्येक रविवार को स्वच्छता अभियान चलाती है। इस अभियान में मनीष रतूड़ी, प्रज्वल जोशी, पीयूष बिष्ट समेत कई युवा सदस्य शामिल हुए। जिन्होंने आसपास सफाई करने के साथ ही प्लास्टिक कूड़े को एकत्रित किया। बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

ऋषिकेश–हरिद्वार हाईवे पर रहा जाम, रेंग–रेंगकर चले वाहन

ऋषिकेश। हरिद्वार–ऋषिकेश नेशनल हाईवे पर श्यामपुर में रविवार को दिनभर जाम से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। वाहन सवारों को ऋषिकेश के लिए महज 700 मीटर की दूरी तय करने में करीब एक घंटे से भी ज्यादा वक्त लग रहा था। बदहाल और संकरे हाईवे पर पुलिसकर्मी भी यातायात को सुचारु रखने में दिनभर जद्दोजहद करते दिखे। लेकिन पटरी से उतरा ट्रैफिक दिनभर परेशानी का सबब बना रहा। रविवार को हरिद्वार से ऋषिकेश का रुख करने वाले यात्रियों और लोकल सवारी वाहनों को श्यामपुर रेलवे फाटक पर जाम से जूझना पड़ा। सुबह से ही हाईवे पर नेपालीफार्म फ्लाईओवर से लेकर फाटक तक वाहनों की लंबी कतारें नजर आईं।

देहरादून में ज्ञान गंगा सम्मान से 37 शिक्षकों को नवाजा

देहरादून। कुसुम कांता फाउंडेशन और मंथन वेलफेयर सोसाइटी ने 37 शिक्षकों को ज्ञान गंगा सम्मान से नवाजा।

मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ.रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि शिक्षक ही समाज में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने नई शिक्षा नीति की उपयोगिता बताई और कहा कि शिक्षक और छात्रों के समन्वय से भारत फिर विश्वगुरु बनेगा। विशिष्ट अतिथि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने कहा कि मां ही बच्चे को वह संस्कार सिखाती है, जिससे वह सफल और अच्छे नागरिक बनते हैं। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वह अपने छात्रों की प्रतिभा को पहचानें और उन्हें सही राह दिखाएं। सनराइज एकेडमी के छात्रों ने प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में कुसुम कांता फाउंडेशन की संस्थापक विदुषी निशंक, संरक्षक डॉ. सविता मोहन, परियोजना प्रमुख शिवानी गुप्ता और मंथन वेलफेयर सोसाइटी की सचिव पूजा पोखरियाल, मोनिका शर्मा मौजूद रहीं। संचालन अनीता चंदन ने किया इन्हें किया गया सम्मानितः लक्ष्मण सिंह चौहान, शिवालिक स्कूल ऋषिकेश, नर्वदा राणा व भावना नैथानी जीजीआईसी अजबपुर, डा.अखिलेश शर्मा व नीरज अग्रवाल विद्या मंदिर धर्मपुर, महेश चन्द्र गुप्ता व पंकज सेमवाल विद्या मंदिर डोईवाला, रमेंद्र राणा, गिरीश घिल्डियाल व पंकज गैरोला राइका बड़ासी, दीपक भारद्वाज भागीरथी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ऋषिकेश, शालिनी रावत व मुकेश रावत सेंट एगनेस स्कूल, कमलेश मिश्रा व राजेश गैरोला राइका माजरीमाफी, रणवीर पुंडीर राइका श्यामपुर डोईवाला, प्रीति चमोली अटल उत्कृष्ट विद्यालय जाखणीधार को सम्मानित किया गया।

एक नजर

अंकिता भंडारी की पहली पुण्यतिथि पर निकालेंगे मशाल जुलूस

देहरादून। पहाड़ी स्वाभिमान सेना और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने रविवार को शहीद स्थल पर बैठक आयोजित की। जिसमें 18 सितंबर को अंकिता भंडारी की पहली पुण्यतिथि पर प्रदेशभर में मशाल जुलूस निकालने व कैंडल मार्च करने का निर्णय लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि अब वीआईपी के नाम का खुलासा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि सबूत मिटाने के लिए रिसॉर्ट तोड़ने की आरोपी विधायक के खिलाफ भी कार्रवाई नहीं हुई। फास्ट ट्रैक कोर्ट में भी मामले की सुनवाई नहीं हो रही। बैठक में तय किया गया कि अंकिता को न्याय दिलाने के लिये 18 सितंबर को मशाल जुलूस, कैंडल मार्च निकाला जाएगा। साथ ही हर घर एक दिया अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान आंदोलनकारी मंच से अध्यक्ष जगमोहन सिंह नेगी, प्रदीप कुकरेती, पहाड़ी स्वाभिमान सेना से प्रमोद काला, योगेश बिष्ट, पंकज उनियाल, अनिकेत नौटियाल, सुलोचना भट्ट, लूसून टोडरिया, मीनाक्षी घिल्डियाल, प्रशांत कांडपाल, नितिन उपाध्याय,डीपी राणाकोटि, देवचंद्र उत्तराखंडी, दुर्गेश कैंथोला आदि मौजूद थे।

एक हजार करोड़ रुपये के टेंडर में हुआ घपलाः बॉबी

देहरादून। उत्तराखंड बेरोजगार संघ ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के एक हजार करोड़ रुपये के टेंडरों में मनमानी का आरोप लगाया है। चेतावनी दी कि शीघ्र टेंडर निरस्त नहीं किए गए तो उग्र आंदोलन होगा। उत्तरांचल प्रेस क्लब में रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में संघ के अध्यक्ष बॉबी पंवार ने बताया कि पीएमजीएसवाई में कार्यकाल खत्म होने के बाद भी एक अफसर पर सरकार मेहरबान है। आरोप लगाया कि प्रतिनियुक्ति अवधि खत्म होने के बाद भी इस अफसर ने पीएमजीएसवाई में 104 कार्यों के एक हजार करोड़ रुपये के टेंडर जारी कर दिए। शिकायत पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी यूआरडीए ने टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताएं पाई थी और प्रक्रिया को रोक दिया।

गोर्खाली समाज ने किया हरितालिका तीज महोत्सव आयोजित

विकासनगर। नगर पालिका टाउन हॉल में रविवार को गोर्खाली समाज ने हरितालिका तीज महोत्सव आयोजित किया गया। इसमें महिलाओं ने नेपाली गीतों पर नृत्य कर पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम के दौरान देर शाम तक महिलाएं खूब थिरकीं, उसके बाद भगवान शिव और मां पार्वती की आराधना कर पति के दीर्घायु की कामना की। महोत्सव का उद्घाटन करते हुए विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने कहा कि तीज पर्व गोर्खाली समाज की अद्भुत संस्कृति का हिस्सा है, जिसमें ईश्वर की आराधना के साथ ही संस्कृति की अमिट छाप दिखाई देती है। कार्यक्रम की शुरुआत लाल और हरे रंग के पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने ह्यभातै र खाम्ला जेठो बुढो धानैको, तरकारी खाम्ला गाबा बरि लै, लिन र आए भेट्न आए मेरा दाजै, बिर्साइदिए आमा बरि लै... जैसे पारंपरिक गीत से की। इसके बाद आगँनी को डिल डाल काली कौवै का का, के समाचार ल्यायौ काली कौवै का का..., नदीपारि दिए मेरा बाबैले, तर्न सकिनँ आइनँ बरि लै..., लेक फुल्यो लालीगुराँस, बेसी फुल्यो टोनी बरि लै, जन्मै किन हेपिएको, यो छोरीको जुनी बरि लै... जैसे पारंपरिक गीतों पर नृत्य कर महोत्सव में समां बांध दिया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष शांति जुवांठा, नपा सभासद बिशन राणा, कै. शिव प्रसाद प्रधान, कमला प्रधान, माला शर्मा, गोविंद शर्मा, मीनू शाह, डॉ. नारायण झा, शशि झा, राधा जायसवाल, गंगा गुरुंग, पवित्रा आले, सुरेखा आले, बिंदिया राणा, मुकेश जायसवाल, प्रकाश गुरुंग, सोहन राणा आदि मौजूद रहे।

गीत मल्हार के साथ महिलाएं झूले पर झूलीं

महोत्सव के समापन से पूर्व महिलाओं झूला डालकर सावन के गीत, मल्हार पर माहौल में मस्ती घोल दी। महिलाएं देर शाम तक ह्यझुला झूल रही सब सखियां, आई हरयाली तीज आज, राधा संग में झूलें कान्हा झूमें अब तो सारा बाग़..., जैसे कई अन्य सावन के गीतों पर देर तक झूला झूलती रहीं।

अटकफार्म में नेपाली व्यंजनों का लुत्फ लिया

अटकफार्म– तेलपुरा में आयोजित तीज महोत्सव में नेपाली व्यंजन परोसे गए। नेपाली समुदाय

गढ़वाल भातृ मंडल ने तैयार की गढ़ कौथिग की रूपरेखा

देहरादून। गढ़वाल भ्रातृ मंडल संस्था क्लेमनटाउन की बैठक में तीन दिवसीय गढ़ कौथिग की रूप रेखा तैयार की गई। गढ़ कौथिग तीन से पांच नवंबर तक मनाया जाएगा। वैल रोड स्थित गढ़ भवन में बैठक संस्था के अध्यक्ष सुंदर लाल सेमवाल की अध्यक्षता में हुई। कोषाध्यक्ष बिलोचन बर्थवाल ने संस्था के आय–व्यय का ब्यौरा रखा। महासचिव जयपाल सिंह रावत ने पिछले छह माह में किए गये कार्यों की जानकारी दी। साथ ही अगले छह माह में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। इसमें तीन से पांच नवंबर तक होने वाले गढ़ कौथिग का ब्लू प्रिंट तैयार किया गया। बताया कि इसमें गढ़वाली खाद्य व्यंजन, पहनावा, उत्तराखंड के औद्योगिक उत्पादन और विभिन्न प्रकार के मेडिकल स्टॉल लगाए जाएंगे। स्कूली बच्चों और संस्था की महिलाओं की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ ही प्रदेश के सांस्कृतिक दल और प्रसिद्ध गायक कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे। मेले को सफल बनाने के लिए मेलाधिकारी सुबेदार मेजर बादर सिंह रावत और सह मेलाधिकारी अशोक सुंदरियाल को हर मदद देने के बारे में आश्वस्त किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 310 मामलों का हुआ निपटारा

पिथौरागढ़। राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह–समझौते के आधार पर 310 मामलों का निस्तारण किया गया। न्यायालय परिसर में आयोजित लोक अदालत में अधिकांश एमवी, एनआई, वैवाहिक मामलों का निस्तारण हुआ। बीते दिवस विभिन्न न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया।

इसमें जिला मुख्यालय में गठित बैंच संख्या 1 के पीठासीन अधिकारी जिला जज शंकर राज और सदस्य एडवोकेट निशांत पुनेडा ने 138 एनआई एक्ट के पांच, मोटर दुर्घटना के दो, बिजली बिल के एक और अपर जिला सत्र न्यायालय में एक 138 एनआई एक्ट के मामलों का निस्तारण किया गया। बैंच संख्या 2 पीठासीन अधिकारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संजय सिंह और सदस्य एडवोकेट विनोद सिंह मतवाल ने आपराधिक शमनीय के एक, एनआई एक्ट के 10, वैवाहिक वाद के 5, एमवी एक्ट के 61 मामलों का निपटारा किया। बैंच संख्या 3 के पीठासीन अधिकारी वरिष्ठ सिविल जज आरती सरोहा और सदस्य एडवोकेट विजेता मेहरा ने 16 मामलों का निस्तारण किया बैंच संख्या 4 के पीठासीन अधिकारी सिविल जज पूनम टोडी और सदस्य एडवोकेट मनोज कुमार जोशी ने 50 मामलों को सुलह समझौते के आधार पर निपटाया। डीडीहाट में पीठासीन अधिकारी सिविल जज अवन्तिका सिंह चौधरी और सदस्य एडवोकेट कुंदन सिंह बिष्ट ने 25 मामलों का निस्तारण किया।

इस दौरान राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक ऋण संबधित प्री लिटिगेशन संबधित मामलों का भी सुलह–समझौते के आधार पर निपटारा किया गया।

लोक अदालत में निस्तारित हुए 139 मामले

चम्पावत। चम्पावत और टनकपुर न्यायालय में लोक अदालत लगी। इस दौरान दोनों अदालतों में 139 मामलों का निस्तारण किया गया। इनमें 44 वादों में सेटलमेंट किया गया।

ऋषिकेश मेयर ममगाईं ने की सीएम धामी से मुलाकात

ऋषिकेश। बीते दिनों भारी बारिश के चलते आई आपदा से ऋषिकेश में सड़कें, नालियां और घाट क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जलभराव से कई समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। मेयर अनिता ममगाईं ने क्षतिग्रस्त सड़कों, नालियों और घाटों के निर्माण कार्यों और अन्य समस्याओं के समाधान के लिए सरकार से 100 करोड़ की राशि आवंटित करने की मांग की। रविवार को ऋषिकेश मेयर अनिता ममगाईं ने देहरादून में सीएम पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। उन्होंने बीते दिनों ऋषिकेश और आसपास लगातार हुई बारिश से उपजी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। कहा कि दैवीय आपदा में विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के घरों में घुसे बरसाती पानी से जहां आमजनमानस को काफी नुकसान झेलना पड़ा, वहीं नगर निगम के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कें, सम्पर्क मार्ग एवं नालियां भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई हैं। कई मार्गों पर कीचड़ एवं बरसाती पानी भरा होने की वजह से विभिन्न बीमारियों का खतरा भी लगातार मंडरा रहा है। इन समस्या से निपटने के लिए तकरीबन सौ करोड़ रुपये की जरूरत होगी।

जैविक खेती में योगदान के लिए धारी के हर्ष डंगवाल को सम्मान

नैनीताल। जैविक कृषि में अपने योगदान के लिए धारी के सुनकिया गांव के हर्ष डंगवाल को जैविक इंडिया अवार्ड दिया गया है। उन्हें जैविक उत्पाद तैयार करने के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। ग्रेटर नोएडा में आयोजित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित जैविक कृषि के ग्लोबल लेवल कार्यक्रम में उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में आन्ध्र प्रदेश के कृषि मंत्री काकानी गोवर्धन रेड्डी ने उन्हें प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिह्न के साथ 50 हजार रुपये का चेक भी प्रदान किया। कार्यक्रम में इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ आर्गेनिक एग्रीकल्चर मूमेंट वर्ल्ड के अध्यक्ष सीके गांगुली, इंटरनेशनल कोम्पिटेंस सेन्टर फार आर्गनिक एग्रीकल्चर के निदेशक मनोज कुमार मेमन, डोरीराज प्रेसीडेंट और पद्मश्री प्रेम चंद्र शर्मा सहित कई अन्य गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया।

नए नियम का विरोध कर रहे आंदोलनकारी

ऋषिकेश। उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी ऋषिकेश संगठन से जुड़े राज्य आंदोलनकारियों ने सरकार की ओर से जारी नए आरक्षण नियमावली का विरोध किया है। उनका कहना है कि नौकरशाहों द्वारा निजी लाभ के लिए सरकार को भ्रमित किया जा रहा है। रविवार को स्व. इंद्रमणि बडोनी हाल में हुई बैठक में उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानियों ने राज्य सरकार द्वारा उत्तराखंड आंदोलनकारियों के आश्रितों के लिए जारी नियमावली पर चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि इस नियम के मुताबिक सरकार केवल आंदोलन में घायल या जेल जाने वालों के आश्रितों के लिए ही नौकरी में 10 प्रतिशत आरक्षण देने की बात कह रही है। यह पूरी तरह से गलत और पक्षपातपूर्ण व्यवहार है। जबकि ऐसे बहुत से लोग थे, जो आंदोलन में न तो घायल हुए ना ही जेल गए,

रायवाला थाने में सिपाही ने की देसी तमंचे से फायरिंग

ऋषिकेश। रायवाला थाने में दो सिपाहियों को डीआईजी ने सस्पेंड कर दिया है। एक सिपाही पर अवैध देसी तमंचे से फायरिंग करने का मुकदमा भी दर्ज कराया है। डीआईजी से सख्त रुख से पुलिस महकमे में खलबली मची हुई है। डीआईजी दलीप सिंह कुंवर के मुताबिक सिपाही सुनील कुमार को ड्यूटी के दौरान अनुशासनहीनता बरतने के आरोप में सस्पेंड किया गया है। जबकि, आशीष कुमार को थाने में खुद की कार में अवैध देसी तमंचा रखने और उससे फायर करने के आरोप में न सिर्फ सस्पेंड किया गया है, बल्कि उसके खिलाफ आर्म्स ऐक्ट में दारोगा योगेंद्र कुमार की तहरीर पर मुकदमा भी पंजीकृत किया गया है।

पूर्व सैनिक सोसायटी दूधली ने धूमधाम से मनाया तृतीय स्थापना दिवस

ऋषिकेश। पूर्व सैनिक सोसायटी दूधली ने तृतीय स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। स्थापना दिवस पर नांगल ज्वालापुर के ग्राम पंचायत भवन परिसर में शहीद स्मारक का उद्घाटन किया गया। रविवार को नांगल ज्वालापुर के ग्राम पंचायत भवन परिसर में पूर्व सैनिक सोसायटी दूधली ने तीसरे स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के तहत परिसर में बनाए गए शहीद स्मारक का उद्घाटन ग्राम प्रधान सुमन ज्वाला और शहीद सुरेश जोशी की माता ने रिबन काटकर किया। ग्राम प्रधान सुमन ज्वाला ने कहा कि यह शहीद स्मारक पूरे दूधली क्षेत्र की चार ग्राम सभा, सेवारत सैनिक, पूर्व सैनिक, क्षेत्रीय जनता और युवाओं के लिए बड़े सम्मान का स्थल होगा। युवाओं के लिए यह मार्ग दर्शक बनेगा। मौके पर सुबेदार मेजर आरपी उपाध्याय, कैप्टन सीएस बोरा, कैप्टन राम दत्त, करन धामी, डीबी थापा, चंचल धामी, कलम सिंह युवराज, लाल सिंह, राम सिंह, नरेंद्र कन्याल, हरीश ज्वाला, जगत सिंह, एलडी जोशी, सोबन सिंह, मनीराम क्षेत्री आदि उपस्थित रहे।

यूएस ओपन 2023: कोको गॉफ ने पहली बार जीता ग्रैंडस्लैम, फाइनल में सबालेंका को हराया

न्यूयॉर्क, यूएस ओपन 2023 के विमेंस सिंगल इवेंट का फाइनल मुकाबला अमेरिका की कोको गॉफ और आर्यना सबालेंका के बीच खेला गया। इस मुकाबले को कोको गॉफ ने जीत इतिहास रच दिया। उन्होंने अपने करियर का पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता है। 33इस मुकाबले पहले सेट में मिली हार के बाद उन्होंने शानदार वापसी की और इस खिताब को अपने नाम किया। फ्लोरिडा की रहने वाली इस खिलाड़ी की शुरुआत इस मैच में बेहद खराब रही, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 2–6, 6–3, 6–2 से जीत हासिल की। इस टूर्नामेंट में मिली हार के बाद भी सोमवार को जारी होने वाली डब्ल्यूटीए रैंकिंग में सबालेंका का नंबर 1 बनना तय है।यूएस ओपन जीतने के बाद गॉफ काफी खुश नजर आई। उन्होंने मैच के बाद कहा कि मैं इस समय खुशी से सरोबार हूं और थोड़ा राहत भी महसूस कर रही हूं। क्योंकि ईमानदारी से कहूं तो इस बार मैं अन्य लोगों के लिए नहीं बल्कि खुद के लिए जीतना चाहती थी। गॉफ अब सेरेना विलियम्स के साल 1999 में खिताब जीतने के बाद अमेरिका की पहली युवा हैं जो किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में विमेंस सिंगक की चैंपियन बनी हैं। गॉफ का ये फाइनल मैच देखने के लिए कई बड़ी हस्तियां वहां पहुंची थी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा भी वहां मौजूद थे, जिन्होंने उनके जीत के बाद बधाई संदेश भी भेजा। इस टूर्नामेंट में चैंपियन बनने पर गॉफ को चमचमाती ट्रॉफी और 30 लाख डॉलर की इनामी राशि मिली है।

यूएस ओपन के फाइनल में मिली जीत के बाद गॉफ वर्ल्ड रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगी जबकि फाइनल तक का सफर तय करने के कारण सबालेंका के लिए राहत की बात यही है कि वह वर्ल्ड नंबर 1 बन जाएंगी। फाइनल में मिली हार के बाद सबालेंका ने कहा कि यह भी एक उपलब्धि है और यही वजह है कि मैं बहुत अधिक दुखी नहीं हूं। मैं निश्चित तौर पर इसका जश्न मनाऊंगी। उन्होंने कहा आगे कहा कि कुछ अवसरों पर मैं भावुक हो सकती हूं। कोर्ट पर आज मैं कुछ ज्यादा ही सोच रही थी और मैंने उन अंको को भी गंवाया जिन्हें मुझे हासिल करना चाहिए था।यूएस ओपन के मेंस सिंगर फाइनल मुकाबले में नोवाक जोकोविच और दानिल मेदवेदेव आमने–सामने होंगे। इस दोनों ही खिलाड़ियों ने इस पूरे टूर्नामेंट में काफी शानदार प्रदर्शन किया है और काफी अच्छे फॉर्म में भी नजर आ रहे हैं। ऐसे में इन दोनों खिलाड़ियों के बीच काफी कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है। नोवाक जोकोविच और दानिल मेदवेदेव के बीच होने वाले इस मैच भी जीतने वाले खिलाड़ी ने एक ट्रॉफी और 30 लाख डॉलर दिए जाएंगे।

आज होगा भारत–पाक मैच

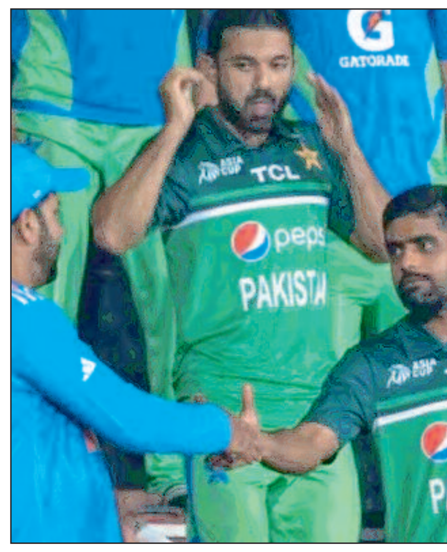

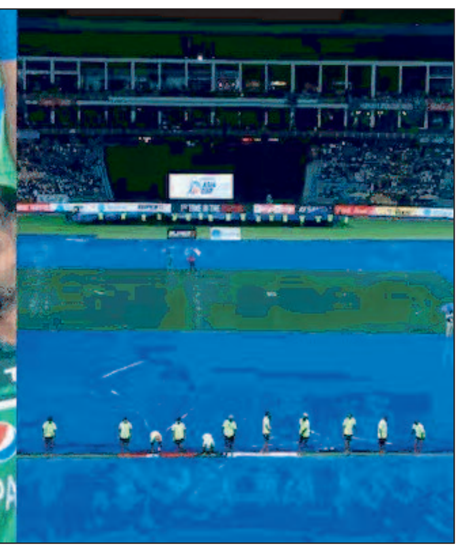

नई दिल्ली, एशिया कप 2023 में भारत–पाक के सुपर–4 मुकाबले में बारिश ने दखल दे दिया और अब भारत पाक मैच 11 सितम्बर को होगा। मैच से पहले काफी समय से ये आशंका जताई जा रही थी कि कोलंबो में मैच के दौरान बारिश होगी और ये सही सबाति हुआ।

भारत–पाक मैच में टॉस गंवाने के बाद भारतीय टीम ने 24.1 ओवर तक 147/2 रन बना लिए हैं। विराट कोहली (8) और केएल राहुल (17) रन बनाकर नाबाद थे।

ऐसे में बारिश ने दस्तक दी और मैच को रोक दिया गया है। हालांकि, कोलंबो में बारिश तो रुक गई है, लेकिन आउटफील्ड गीली होने के कारण मैच में देरी हो रही है। फैंस के मन में ये सवाल है कि मैच खेला जाएगा या नहीं या फिर अगर आउटफील्ड गीली ही रही तो फिर हाई–वोल्टेज मुकाबले का क्या होगा?

दरअसल, भारत और पाकिस्तान (कठऊ५२ ढअङ) के बीच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में बारिश की वजह से मैच रोका गया। मैच में टॉस हारने के बाद भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी की और कप्तान रोहित शर्मा–शुभमन गिल की जोड़ी ने तूफानी अंदाज में बैटिंग कर भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई। हालांकि, 25वें ओवर की पहली गेंद के बाद कोलंबो में बारिश ने एंट्री की और मैच रोक दिया गया।

बता दें कि पहले से ही कोलंबो में बारिश की आशंका दी, इसकी वजह से मैच के लिए रिजर्व–डे का ऐलान किया गया था। ऐसे में कोलंबो में बारिश तो रुक गई है, लेकिन आउटफील्ड गीली है।

एशिया कप में हाईवोल्टेज मुकाबले से पहले पाक को झटका, वनडे क्रिकेट की बादशाहत छीनी, ऑस्ट्रेलिया फिर नंबर वन बनी

नई दिल्ली , एशिया कप 2023 के सुपर–4 राउंड में आज भारत और पाकिस्तान के बीच दोबारा महामुकाबला होने जा रहा है। दरअसल, साउथ अफ्रीका को मात देते हुए ऑस्ट्रेलिया एक बार फिर से दुनिया की नंबर वन टीम बन गई है और पाकिस्तान क्रिकेट टीम की वनडे में बादशाहत खत्म हो गई है।

आपको बता दें कि इससे पहले अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज जीतने के बाद पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया से वनडे में नंबर एक का ताज छीना था। हालांकि, पाकिस्तान की टीम इस बादशाहत को ज्यादा दिन बरकरार नहीं रख सकी और ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे वनडे में साउथ अफ्रीका को 123 रन से हराकर फिर से नंबर एक की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया है।

नेमार ने ध्वस्त किया पेले का ये रिकॉर्ड, ब्राजील के लिए कर दिया बड़ा कारनामा

नईदिल्ली, फुटबॉल वर्ल्ड कप क्वालीफायर 2026 में ब्राजील ने धमाकेदार अंदाज में बोलीविया को 5–1 से हरा दिया। इस मैच में ब्राजील के लिए नेमार ने धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच में दो गोल किए और जीत में अहम भूमिका निभाई। नेमार ने दो गोल करते ही महान फुटबॉलर पेले का एक बड़ा रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया।

नेमार की गिनती दुनिया के बेहतरीन फुटबॉल खिलाड़ियों में होती है। वर्ल्ड कप क्वालीफायर में बोलीविया के खिलाफ नेमार ने टीम के लिए चौथा और पांचवां गोल किया। इससे उनके अब 79 गोल हो गए हैं और वह ब्राजील के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने महान फुटबॉलर पेले को पीछे छोड़ दिया है। पेले ने ब्राजील के लिए 77 गोल किए हैं। दिग्गज फुटबॉलर पेले का पिछले साल दिसंबर में 82 की उम्र में निधन हो गया था।

विश्व कप क्वालीफाइंग में बोलीविया के खिलाफ मैच में नेमार ने 61वें मिनट में गोल किया। अमेजन शहर के बेलेम में 31 साल के इस खिलाड़ी ने 78वां गोल दागा जिससे वह पेले के 77 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोडने में सफल रहे। अल हिलाल का यह स्ट्राइकर 17वें मिनट में एक पेनल्टी से भी चूक गया था। नेमार ने यह रिकॉर्ड गोल करने के बाद हवा में मुक्का लगाकर जश्न मनाया जैसा कि आमतौर पर पेले किया करते थे। नेमार ने हाल ही में पेरिस सेंट जर्मेन छोडक़र सऊदी अरब के क्लब अल हिलाल से खेलना शुरू किया है।

फुटबॉल के इंटरनेशनल मैचों में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम है। उन्होंने 201 मैचों में 123 गोल किए हैं। दूसरे नंबर पर ईरान के अली दाई हैं। उन्होंने 109 गोल किए हैं। 104 गोल के साथ अर्जेंटीना के लियोनल मेसी तीसरे नंबर पर हैं। वहीं, नेमार ने ब्राजील के लिए 125 मुकाबलों में 79 गोल किए हैं और फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने के मामले में 10वें नंबर पर हैं।

फिल्मी दुनियां

बॉक्स ऑफिस पर शाहरुख खान ने रचा इतिहास, जवान बनी सबसे बड़ी ओपनर फिल्म

बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में सुपरस्टार शाहरुख खान अब बॉलीवुड के असली किंग बन गए हैं. उनकी फिल्म जवान ने पहले दिन की कमाई में कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाए हैं. हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज हुई इस फिल्म ने घेरलू बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ ओपनिंग मिली है. वहीं, दुनियाभर में भी कमाई के मामले में सबको पीछे छोडक़र नया मुकाम हासिल किया है.

इतना ही नहीं, जवान की इस कमाई के साथ शाहरुख खान बॉलीवुड के ऐसे पहले सुपरस्टार बन गए हैं जिनकी दो फिल्मों को 100 करोड़ की ओपनिंग मिली है. जानते हैं कि जवान ने पहले दिन कमाई के कितने रिकॉर्ड बनाए, कितने रिकॉर्ड तोड़े.

पहले दिन की कमाई के मामले में जवान बॉलीवुड की सबसे बड़ी ओपनर फिल्म साबित हुई है. घेरलू बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने कुल 74.5 करोड़ की कमाई है. जवान फिल्म के हिंदी वर्जन ने घेरलू बॉक्स ऑफिस पर 65.5 करोड़ की कमाई की है. जवान को तमिल और तेलुगू वर्जन में भी अच्छी ओपनिंग मिली है.तमिल लैग्वेंज ने 5.3 करोड़ कमाए हैं और तेलुगु वर्जन भी 3.7 करोड़ कमाने में कामयाब रही है. अटली कुमार के डायरेक्शन में बनी जवान ने वर्ल्डवाईड 129.6 करोड़ की कमाई के साथ ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर फिर से बवाल मचा दिया है. ये किसी भी भारतीय फिल्म के लिए अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग है. वर्ल्डवाइड कमाई के मामले में ये बॉलीवुड की चौथी फिल्म सबसे बड़ी ओपनर फिल्म है. वर्ल्डवाइड कमाई के मामले में आरआरआर नंबर वन पर है जिसने पहले दिन ऋ्य 223.5 करोड़ का बिजनेस किया था. उसके बाद नंबर दो पर प्रभास की बाहुबली 2 है जिसने वर्ल्डवाइड ऋ्य 214.5 करोड़ कमाए थे. तीसरे नंबर पर दुनियाभर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म केजीएफ 2 है जिसे ऋ्य 164.5 करोड़ की ओपनिंग मिली थी.

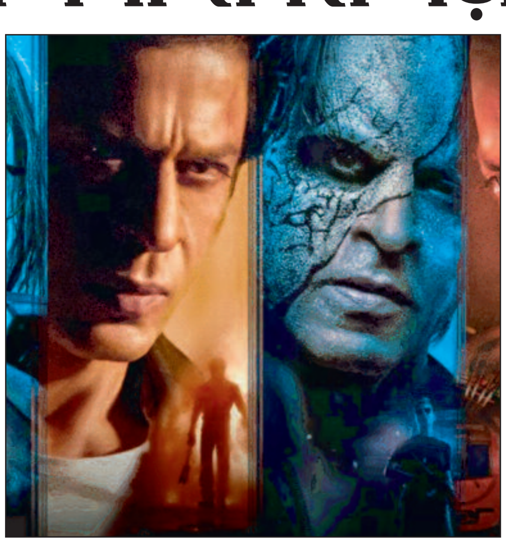

जवान की 75 करोड़ की बंपर ओपनिंग के साथ शाहरुख खान ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा है. इससे पहले भी बॉलीवुड में सबसे ज्यादा कमाई का रिकॉर्ड भी शाहरुख खान की फिल्म पठान के पास ही था.

पठान को 57 करोड़ की ओपनिंग मिली थी. पठान के हिंदी वर्जन ने पहले दिन 55 करोड़ की कमाई की थी.

जवान की रिलीज के साथ ही सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म गदर 2 की कमाई घट गई है. गुरुवार को गदर 2 सिर्फ 1.5 करोड़ ही कमा पाई. वहीं, आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे की फिल्म ड्रीम गर्ल 2 की कमाई पर भी कम हो गई है. जवान की रिलीज के दिन ड्रीम गर्ल 2 ने 1 करोड़ की कमाई की है. रिपोर्ट के मुताबिक जवान रिलीज के दूसरे दिन यानी शुक्र्रवार को सभी भाषाओं में 45 करोड़ का बिजनेस कर सकती है. दूसरे दिन की कमाई के साथ जवान को दो दिनों का कलेक्शन 100 करोड़ के पार हो गया है.

कंगना रनौत की चंद्रमुखी 2 के लिए करना होगा और इंतजार, रिलीज तारीख टली

कंगना रनौत जल्द ही दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने जा रही हैं। पिछले कुछ वक्त से वह अपनी फिल्म चंद्रमुखी 2 को लेकर चर्चा में हैं।ताजा खबर यह है कि निर्माताओं ने चंद्रमुखी 2 की निर्धारित रिलीज तारीख को स्थगित कर दिया है।अब यह फिल्म 28 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का पोस्ट–प्रोडक्शन का काम अभी खत्म नहीं हुआ है।बता दें, पहले यह फिल्म 15 सितंबर को रिलीज होने वाली थी।चंद्रमुखी 2 में कंगना तमिल सिनेमा के जाने–माने अभिनेता राघव लॉरेंस के साथ नजर आएंगी। इसमें कंगना विश्व प्रसिद्ध डांसर की भूमिका अदा करेंगी।फिल्म में वडिवेलु, राधिका सरथकुमार, लक्ष्मी मेनन, महिमा नांबियार, सृष्टि डांगे, सुभिक्षा कृष्णन, रवि मारिया, कार्तिक श्रीनिवासन जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

पी वासु के निर्देशन में बनी चंद्रमुखी 2 तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड और हिंदी में रिलीज होगी।इसका निर्माण लाइका फिल्म्स के बैनर तले किया जाएगा। चंद्रमुखी 2 में कंगना, राजा के दरबार में एक नर्तकी की भूमिका निभाएंगी, जो अपनी सुंदरता और नृत्य कौशल के लिए जानी जाती थी। फिल्म में कंगना के साथ तमिल अभिनेता राघव लॉरेंस मुख्य भूमिका निभाएंगे। लाइका प्रोडक्शन और सुबास्करण की निर्मित यह फिल्म सितंबर में तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी।

श्रिया सरन और शरमन जोशी की फिल्म म्यूजिक स्कूल ने अमेजन प्राइम वीडियो पर दी दस्तक

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रिया सरन की म्यूजिक स्कूल को इसी साल 12 मई को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी।

रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म ने टिकट खिडक़ी पर महज 10 लाख रुपये का कारोबार किया था। अब म्यूजिक स्कूल ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है। ऐसे में जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं।म्यूजिक स्कूल में श्रिया की जोड़ी अभिनेता शरमन जोशी के साथ बनी थी।फिल्म में श्रिया और शरमन के अलावा सुहासिनी मुले, प्रकाश राज, बेंजामिन गिलानी, श्रीकांत अयंगर, मोना अंबेगांवकर और अन्य कलाकार नजर आए थे।म्यूजिक स्कूल का निर्देशन जाने–माने निर्देशक पापा राव बियाला ने किया था, फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी थी। फिल्म का निर्माता भी पापा राव बियाला ही थे। म्यूजिक स्कूल तमिल और हिंदी भाषाओं में रिलीज हुई थी।

प्रभास पर फिर दांव खेलेंगे बाहुबली के निर्माता, अनुष्का शेट्टी के साथ जमेगी जोड़ी

प्रभास ने अपने करियर में कई लोकप्रिय अभिनेत्रियों के साथ काम किया, लेकिन कुछेक के साथ ही उनकी जोड़ी पर्दे पर जमी। अनुष्का शेट्टी उन्हीं में से एक हैं।जब–जब यह जोड़ी दर्शकों के बीच आई, उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को बेहद पसंद आई, वहीं फिल्मों ने भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की। अब हम यह राम कहानी आपको इसलिए सुना रहे हैं कि एक बार फिर अनुष्का और प्रभास की जोड़ी बनने वाली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रभास और अनुष्का एक बार फिर रुपहले पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं।इससे भी खास बात यह है कि बाहुबलीः द बिगनिंग और बाहुबलीः द कंक्लूजन जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बना चुके निर्माता शोबू यरलागड्डा एक बार फिर प्रभास के साथ पारी खेलने को तैयार हैं।वह अपनी अगली फिल्म में अनुष्का को ही प्रभास की जोड़ीदार बनाना चाहते हैं। उनकी यह फिल्म भी काफी बड़े स्तर पर बनने वाली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, शोबू फिल्म में प्रभास और अनुष्का को ही लीड रोल के लिए साइन करना चाहते हैं। उन्होंने इस सिलसिले में दोनों से बातचीत की है। अब उन्होंने इसके लिए रजामंदी दी या नहीं, यह नहीं पता, लेकिन इस खबर से उनके प्रशंसक जरूर उतावले हो गए हैं।दरअसल, बाहुबली के बाद से प्रशंसक प्रभास और अनुष्का को एक बार फिर पर्दे पर साथ देखने को बेताब हैं और अब उनकी यह इच्छा पूरी होने वाली है।प्रभास और अनुष्का की जोड़ी को बाहुबली में सबसे ज्यादा पसंद किया गया। इसमें जहां प्रभास अमरेंद्र सिंह बाहुबली के रूप में नजर आए, वहीं अनुष्का ने देवसेना की भूमिका निभाई।2009 में आई फिल्म बिल्ला में ये दोनों कलाकार पहली बार साथ दिखे थे। यह इसी नाम से बनी तमिल फिल्म का तेलुगु रीमेक है।2013 में आई एक्शन ड्रामा मिर्ची में भी उनकी केमिस्ट्री को पसंद किया गया था।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन
डिग्री कॉलेज रोड़,
जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित
तथा जयन्त कार्यालय
चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग,
गैरसैंण, जनपद चमोली
उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338